

आज

बेबाक

चुनाव के दौरान विपक्षी नेता जिस लोकतंत्र को खतरे में बताते रहे वह लोकतंत्र अब वाकई खतरे में पड़ने जा रहा है। इस लोकसभा चुनाव में खतरे की घंटी बज गई है। पंजाब और कश्मीर से देशद्रोह के आरोप में जेल में बंद खालिस्तानी समर्थक और आतंकवादी लाखों वोटों के अंतर से चुनाव जीतने में सफल हो गए हैं। कैसी विडंबना है कि जेल में बंद कैदी वोट तो नहीं दे सकता लेकिन चुनाव लड़ सकता है और मजे की बात यह कि चुनाव जीत भी सकता है। अब देखना दिलचस्प होगा कि लोकतंत्र बचाने कौन आगे आता है?

रेत माफिया पर 137 करोड़ का जुर्माना: बैतूल में एडीएम कोर्ट ने सुनाया फैसला

बैतूल/नवप्रदेश। बैतूल के एडीएम कोर्ट ने अवैध रेत खनन के मामले में 6 लोगों पर 137 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। इसे जमा करने के लिए आरोपियों को 7 दिन का समय दिया है। इसे नहीं भरने पर उनकी संपत्ति कुर्क की जाएगी। दरअसल, कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी ने पिछले एक पखवाड़े से रेत माफिया के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है। 14 और 15 मई को रात में उन्होंने जिले के शाहपुर इलाके में पुलिस, प्रशासन और खनिज विभाग की टीम को लेकर बड़ी छापामार कार्रवाई की थी। जिसके बाद 6 लोगों पर रेत चोरी और अवैध उत्खनन के 6 मामले दर्ज किए गए थे। पुलिस में एफआईआर के अलावा खनिज विभाग ने रेत माफिया पर खनिज अधिनियम के तहत परिवहन और अवैध भंडारण के मामले दर्ज किए थे। जिसके प्रकरण एडीएम कोर्ट में पेश किए गए थे। इन्हीं मामलों को प्रशासन ने महज 20 दिन में निपटकर एक अरब 37 करोड़ के जुर्माने की कार्रवाई की है। जिसके बाद गुरवार को अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव ने ये आदेश दिए हैं।

तिहाड़ जेल में गैंगवार यहीं बंद हैं केजरीवाल

नई दिल्ली (ए.)। तिहाड़ जेल में एक बार फिर गैंगवार में गोपी गैंग के बदमाश हिंसे पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला किया गया है। बुधवार दोपहर दो बदमाशों ने हिंसे पर हमला किया। हिंसे की हालत नाजुक है और घायल कैदी का दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में इलाज चल रहा है। इसी जेल में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल बंद हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है।

अतिक्रमण विरोधी अभियान: पुलिस और बीएमसी की टीम पर पथराव, कई घायल

मुंबई (ए.)। मुंबई के पर्वई के एक झुग्गी इलाके में गुरुवार को बृहन्मुंबई नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान कुछ स्थानीय लोगों ने बवाल कर दिया। इस दौरान कार्रवाई करने पहुंचे पुलिसकर्मियों और बीएमसी के अधिकारियों पर पथराव किया गया। इस दौरान कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि दोपहर करीब 1 बजे हुई घटना के तुरंत बाद बीएमसी ने अतिक्रमण विरोधी अभियान रोक दिया। उन्होंने कहा कि पर्वई के जय भवानी नगर में जब अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चल रहा था, तब स्थानीय लोगों ने पुलिसकर्मियों और बीएमसी टीम पर पथराव किया।



जल-स्त्रोतों के आस-पास वृक्षारोपण को प्रोत्साहित किया जाए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जल-गंगा संवर्धन अभियान में 5 करोड़ 50 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने भोपाल के छोटे तालाब की साफ-सफाई के लिए किया श्रमदान

जल-गंगा संवर्धन अभियान में नगरीय निकाय सक्रिय

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 5 जून से प्रदेश में आरंभ जल गंगा संवर्धन

अभियान में जल-स्रोतों के संरक्षण और साफ-सफाई के साथ-साथ इन स्थानों पर वृक्षारोपण को प्रोत्साहित किया जाए। प्रदेश में अभियान अर्वाधि में 5 करोड़ 50 लाख पौधे रोपने का लक्ष्य है, संपूर्ण प्रदेश में जन भागीदारी से पौधे लगाए जाएंगे। जल-गंगा संवर्धन अभियान, गंगा दशमी के बाद भी जारी रहेगा, सभी स्थानीय निकाय अपने-अपने स्तर पर अभियान संबंधी गतिविधियां संचालित करेंगे। हरियाली अमावस्या के बाद सघन रूप से पौधरोपण की



गतिविधियां संचालित की जाएंगी। नगर निगम भोपाल द्वारा जन-भागीदारी से चलाए जा रहे अभियान की सराहना करते **शेष पृष्ठ 5 पर**

मध्यप्रदेश देश की नदियों का केन्द्र बिन्दु है
मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नदी, पर्वत और पृथ्वी में जीवन माना गया है। मध्यप्रदेश देश की नदियों का केन्द्र बिन्दु है। यहाँ से सभी दिशाओं में बहने वाली नदियों की उत्पत्ति होती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेई के नदी जोड़े अभियान की संकल्पना को गुरतरूप देते हुए केन-बेतवा लिंक परियोजना को स्वीकृति प्रदान कर राज्य सरकार को 45 हजार करोड़ तथा उत्तरप्रदेश सरकार को 45 हजार करोड़ रुपये उपलब्ध कराये हैं। इस परियोजना से दूरबी के धरती बुंदेलखंड को सिंचाई की सुविधा मिलेगी और वहाँ जीवन सरल होगा। इसी प्रकार प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना को भी स्वीकृति प्रदान की है।

मोदी नौ जून को तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री पद की लेंगे शपथ

● तैयारियां शुरू, विदेशी मेहमानों को आमंत्रित किया गया

नई दिल्ली (ए.)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को लोकसभा चुनाव में 293 सीटें मिलीं। नरेंद्र मोदी को एनडीए का नेता चुना गया। सभी घटक दलों ने अपने समर्थन का पत्र सौंप दिया है। अब मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। हालांकि उनके शपथ ग्रहण समारोह की तारीख को लेकर संशय बना हुआ है। बताया जा रहा कि प्रधानमंत्री पद की शपथ ग्रहण समारोह की तारीख में बदलाव कर दिया गया है। अब मोदी नौ जून को शाम छह बजे तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। इससे पहले यह कार्यक्रम आठ जून को होना था। मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। शपथ ग्रहण समारोह को भव्य



बनाने की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इसमें विदेशी मेहमानों को आमंत्रित किया गया है। **राष्ट्रपति को सौंपा था त्याग पत्र:** मोदी ने शपथ ग्रहण समारोह से पहले

21 नेताओं ने हस्ताक्षर कर मोदी को गठबंधन का नेता स्वीकार किया

एक दिन पहले ही एनडीए ने सर्वसम्मति से नरेंद्र मोदी को अपना नेता मान लिया है। नई दिल्ली में बुधवार को हुई बैठक में एनडीए के 21 नेताओं ने एक पत्र पर हस्ताक्षर करके मोदी को अपना नेता स्वीकृत किया। जिससे नरेंद्र मोदी के एक बार फिर से प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया है। बैठक में सभी नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी को पिछले 10 सालों में उनके कार्यकाल और देश में विकास कार्यों के लिए उन्हें बधाई भी दी है।

बुधवार को राष्ट्रपति मुर्मू को अपना त्याग पत्र सौंप दिया था। राष्ट्रपति ने नरेंद्र मोदी और उनके मंत्रियों का त्याग पत्र को स्वीकार कर लिया और साथ ही नए सरकार के गठन तक कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहने का आग्रह किया।

शेयर बाजार पर सरकार की ओर से टिप्पणी से निवेशकों का नुकसान हुआ : राहुल गांधी

शेयर बाजार का अब तक का सबसे बड़ा घोटाला

नई दिल्ली (ए.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया है कि शेयर बाजार पर केंद्र सरकार की ओर से टिप्पणी से लाखों खुदरा निवेशकों का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि यह शेयर बाजार का अब तक का सबसे बड़ा घोटाला है। इसकी संसदीय समिति से जांच कराई जानी चाहिए। राहुल ने कहा, हमने नोट किया कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री ने, गृह मंत्री और वित्त मंत्री ने स्टॉक मार्केट पर टिप्पणी की। प्रधानमंत्री ने दो-तीन चार बार देश को कहा कि स्टॉक मार्केट तेजी से आगे बढ़ने जा रहा है। स्टॉक मार्केट में निवेश करने के लिए कहा। अमित शाह कहते हैं कि 4 जून से पहले शेयर खरीदें। मोदी



बेंगलुरु की स्थानीय अदालत में राहुल गांधी कोर्ट में पेश होंगे
लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार (7, जून) को बेंगलुरु की एक कोर्ट में पेश होंगे। अंग्रेजी वेबसाइट के मुताबिक, बीजेपी एमएलसी केशव प्रसाद ने कांग्रेस नेता के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। उन्होंने स्थानीय समाचार पत्रों में बीजेपी को भ्रष्ट बताने वाले विज्ञापन को लेकर याचिका दायर की थी। बीजेपी की ओर से दायर मानहानि के मुकदमे के सिलसिले में आज बेंगलुरु की स्थानीय अदालत में राहुल गांधी कोर्ट में पेश होंगे। इससे पहले कोर्ट ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार को जमानत दे दी थी। इस मामले में राहुल गांधी चौथे आरोपी हैं, जबकि केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी), शिवकुमार और सिद्धारमैया पहले तीन आरोपी हैं।

कहते हैं कि चार जून को स्टॉक एग्जिट पोल **शेष पृष्ठ 5 पर** खरीदें। 1 जून को मीडिया झूठे

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की दौड़ में शिवराज भी शामिल

● कांग्रेस ने बताया- पीएम पद का दावेदार

नई दिल्ली (ए.)। लोकसभा चुनावों के नतीजों के बाद भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने सरकार बनाने की कवायद तेज कर दी है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत सभी नवनिर्वाचित सांसदों को दिल्ली तलब किया गया है। इस बीच अटकलें हैं कि शिवराज को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई कैबिनेट



में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल भी 30 जून को खत्म होने वाला है। इस वजह से शिवराज को अध्यक्ष बनाने की अटकलें भी तेज हो गई हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कार्ति चिदंबरम को जमानत

राजज एवेन्यू कोर्ट ने दिया आदेश

नई दिल्ली (ए.)। चीनी बीजा घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कार्ति चिदंबरम को जमानत मिल गई है। यह आदेश दिल्ली की राजज एवेन्यू कोर्ट ने दिया है। कोर्ट के समन जारी करने के बाद तारीख से पहले ही कार्ति चिदंबरम पेश हो गए थे। जिसको देखते हुए ईडी और सीबीआई की विशेष जज कावेरी बावेजा ने चिदंबरम को जमानत दे



दी। अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की चार्जशीट के आधार पर कार्ति चिदंबरम को समन जारी किया था। कोर्ट ने एक लाख रुपये को निजी मुचलके और इतनी धनराशि पर आरोपी को जमानत दी है।

सीआईएसएफ जवान ने भाजपा नेता कंगना रनौत को जड़ा थप्पड़

● चंडीगढ़ से जा रही थीं दिल्ली, किसानों के मुद्दे पर हुई बहस

चंडीगढ़ (ए.)। चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर दोपहर 3.40 बजे सीआईएसएफ की कुलविंदर कौर पर कंगना को थप्पड़ मारने का आरोप है। जब वह चंडीगढ़ से दिल्ली वापस जा रही थीं। बताया जा रहा है कि किसानों पर कंगना के दिए बयान को लेकर महिला सिपाही नाराज थी। सूत्रों के अनुसार कंगना रनौत चंडीगढ़ से



मुंबई के लिए शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जब चैकिंग कर रही थीं तो वहां उपस्थित सीआईएसएफ में तैनात महिला सुरक्षा कर्मी ने जब उनसे पूछा कि मैडम आप बीजेपी से जीती हैं। आपकी पार्टी किसानों के लिए कुछ क्यों नहीं कर **डु शेष पृष्ठ 5 पर**

चंद्रबाबू नायडू 12 जून को आंध्र प्रदेश के सीएम पद की लेंगे शपथ

● पहले 9 जून को था कार्यक्रम

विजयवाड़ा (ए.)। तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू के आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की तारीख में बदलाव कर दिया गया है। अब वह 12 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इससे पहले यह कार्यक्रम 9 जून को होना था। मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। नायडू के शपथ लेने की तारीख में बदलाव की वजह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण कार्यक्रम को बताया जा रहा है। वे लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री



पद की शपथ लेने जा रहे हैं। मोदी ने बुधवार को राष्ट्रपति मुर्मू को अपना त्याग पत्र सौंप दिया था। राष्ट्रपति ने पीएम मोदी और उनके मंत्रियों का त्याग पत्र को स्वीकार कर लिया और साथ ही नए सरकार के गठन तक कार्यवाहक

प्रधानमंत्री बने रहने का आग्रह किया। **किंग मेकर की भूमिका में हैं चंद्रबाबू नायडू**
चंद्रबाबू नायडू एनडीए गठबंधन के लिए एक किंगमेकर में से एक बनकर सामने आए हैं। एनडीए ने लगातार तीसरी बार बहुमत पाने का रिकॉर्ड बनाया है। चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार की पार्टी का गठबंधन की सरकार बनाने में अहम योगदान रहने वाला है। भाजपा इस बार लोकसभा चुनाव में अकेले दम पर बहुमत लाने में सफल नहीं हो सकी है।

राजनीति ... सरकार बनाने से पीछे क्यों हटा विपक्षी गठबंधन इंडिया, सोनिया गांधी ने फिर खींची बड़ी लकीर

खड़गे के ऐलान ने एनडीए ही नहीं, इंडिया को भी चौंकाया

नई दिल्ली(ए.)। लोकसभा चुनाव के परिणाम सामने आने के बाद एनडीए के साथ-साथ इंडिया गठबंधन के नेताओं में भी भारी जोश दिखाई पड़ रहा था। इंडिया गठबंधन के नेता न केवल अपनी बढ़त पर जश्न मना रहे थे, बल्कि वे सरकार बनाने तक का दावा कर रहे थे। माना जा रहा था कि वे नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को अपने पाले में लाकर पूरा खेल बदलने की योजना बना रहे थे। लेकिन दिल्ली में इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह ऐलान कर दिया कि वे सरकार नहीं बनाएंगे। खड़गे के इस ऐलान ने एनडीए के ही नहीं, बल्कि इंडिया



गठबंधन के नेताओं को भी चौंका दिया। लोग यह समझ नहीं पा रहे थे कि सरकार बनाने की कोशिश करने की बजाय अचानक इस फट से अपना पैर वापस क्यों खींच लिया गया। लेकिन अब इसकी वजह सामने आ गई है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, इंडिया

गठबंधन के नेताओं को सरकार बनाने से पीछे हटने की सलाह सोनिया गांधी ने दी। उन्होंने इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक में यह कहा कि सरकार बनाना उनका महत्वपूर्ण नहीं है, जितना कि जनता की नजर में उनकी विश्वसनीयता बरकरार रहना। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में जनता ने उनके (इंडिया गठबंधन) ऊपर बहुत भरोसा जताया है। यह भरोसा टूटना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि जब इंडिया गठबंधन के पास पूरी संख्या नहीं है, ऐसे में यदि वे जल्दबाजी में सरकार बनाने की कोशिश करते हैं, तो जनता में गलत संदेश जाएगा। सूत्रों के अनुसार, सोनिया **शेष पृष्ठ 5 पर**

अमेठी में प्रियंका की कुशल रणनीति का दिखा कमाल

अमेठी (ए.)। हाईप्रोफाइल अमेठी सीट एक बार फिर सुर्खियों में है। 2019 में यहां से स्मृति ईरानी ने जितने मतों से राहुल को हराया था, उसके तीन गुना से वह हार गई। इस चुनाव में स्मृति ईरानी केएल शर्मा से एक लाख 67 हजार से ज्यादा वोटों से हार गई। हार का यह अंतर सबको चौंकाने वाला साबित हुआ। इस जीत में कांग्रेस के किशोरी लाल शर्मा का चेहरा नहीं, बल्कि प्रियंका गांधी वाड़ा की रणनीति अहम रही। फिलहाल यहां इस बात को लेकर



चर्चा है कि राहुल गांधी जैसे बड़े नेता को हराने वाली स्मृति ईरानी को गांधी परिवार के कस्टोडियन किशोरी लाल ने कैसे पराजित कर दिया? वर्ष 2014 में अमेठी से सियासी पारी की शुरुआत करने

वाली भाजपा की स्मृति जूबन ईरानी को 3,00,748 मत मिले थे। वह राहुल गांधी से चुनाव हार गई थीं। इस चुनाव में राहुल गांधी ने 4,08,651 वोट मिले थे। इसके बाद स्मृति ने अमेठी में ही डेरा डाल दिया। नतीजा यह रहा कि वर्ष 2019 के चुनाव में स्मृति ईरानी ने 4,68,514 वोट पाकर राहुल गांधी को 55,120 मतों के अंतर से पराजित कर दिया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री की जिम्मेदारी संभालते हुए स्मृति ईरानी का पूरा फोकस अमेठी पर ही रहा।

एडीआर ने किया देश के 543 विजयी उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण

लोकसभा चुनाव जीते 251 सांसदों पर आपराधिक मामले, 2 पर बलात्कार का केस, 504 करोड़पति, 105 सांसद 5वीं - 12वीं पास



गंभीर आपराधिक मामलों वाले विजयी उम्मीदवार

2024 के लोकसभा चुनावों में 170 (31 प्रतिशत) विजयी उम्मीदवारों ने बलात्कार, हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण, महिलाओं के खिलाफ अपराध आदि से संबंधित मामलों सहित गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। देश की सभी राजनीतिक पार्टियों ने ऐसे अपराधिक पृष्ठभूमि वाले प्रत्याशियों को 2024 के चुनाव में अपना प्रत्याशी बना है। अंक तालिका के अनुसार देखें जिसमें 2009 के बाद से गंभीर आपराधिक मामले घोषित करने वाले सांसदों की संख्या में 124 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

नई दिल्ली/रायपुर/नवप्रदेश। लोकसभा चुनाव 2024 में 543 विजयी हुए उम्मीदवारों ने स्वयं दिए हलफनामों का एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) और द नेशनल इलेक्शन वॉच ने हलफनामों का विस्तृत रूप से विश्लेषण किया है। इस विश्लेषण में 543 विजयी उम्मीदवारों में से 251 विजयी उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले घोषित हैं। वहीं वर्ष 2009 के बाद से आपराधिक मामले घोषित करने वाले सांसदों की संख्या में 55 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। लगातार चार लोकसभा चुनाव में राजनीतिक पार्टियों ने आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाया है। इनकी संख्या प्रतिवर्ष बढ़ते ही जा रही है।

गंभीर आपराधिक मामलों वाले पार्टीवार विजयी उम्मीदवार



आपराधिक मामलों वाले पार्टीवार विजयी उम्मीदवार

भाजपा के 240 विजयी उम्मीदवारों में से 94 (39%)

कांग्रेस के 99 विजयी उम्मीदवारों में से 49 (49%)

सपा के 37 विजयी उम्मीदवारों में से 21 (57%)

एआईटीसी के 29 विजयी उम्मीदवारों में से 13 (45%)

डीएमके के 22 विजयी उम्मीदवारों में से 13 (59%)

टीडीपी के 16 विजयी उम्मीदवारों में से 8 (50%)

शिवसेना के 7 विजयी उम्मीदवारों में से 5 (71%)

अपने हलफनामों में अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

संपत्ति के आधार पर जीतने की संभावना

2024 के लोकसभा चुनाव में करोड़पति उम्मीदवार के जीतने की संभावना 19.6 प्रतिशत है, जबकि 1 करोड़ रुपये से कम संपत्ति वाले उम्मीदवार के जीतने की संभावना 0.7 प्रतिशत है।

हत्या, बलात्कार सहित कई मामले दर्ज

लोकसभा चुनाव में विजयी हुए प्रत्याशी जिन्होंने चुनावी हलफनामों में अपने विरुद्ध चल रहे आपराधिक मामले, जिसमें हत्या, हत्या के प्रयास, महिला अपराध, बलात्कार, अपहरण सहित कई अन्य मामले दर्ज हैं उसके बावजूद लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की है।

हत्या से संबंधित मामले

27 विजयी उम्मीदवारों ने अपने विरुद्ध दोषसिद्ध मामले घोषित किए हैं। वहीं 4 विजयी उम्मीदवारों ने हत्या से संबंधित मामले घोषित किए हैं। 27 विजयी उम्मीदवारों ने हत्या के प्रयास के मामले घोषित किए हैं।

महिलाओं के खिलाफ अपराध

15 विजयी उम्मीदवारों ने महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों की घोषणा की है। 15 विजयी उम्मीदवारों में से 2 विजयी उम्मीदवारों ने बलात्कार, 4 विजयी उम्मीदवारों ने अपहरण से संबंधित मामलों की घोषणा की है।

हत्या, बलात्कार सहित कई मामले

लोकसभा चुनाव में विजयी हुए प्रत्याशी जिन्होंने चुनावी हलफनामों में अपने विरुद्ध चल रहे आपराधिक मामले, जिसमें हत्या, हत्या के प्रयास, महिला अपराध, बलात्कार, अपहरण सहित कई अन्य मामले दर्ज हैं उसके बावजूद लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की है।

आपराधिक मामलों वाले विजयी उम्मीदवार	वर्ष	कुल आपराधिक	गंभीर आपराधिक
• 2024	543	251 (46 %)	170 (31 %)
• 2019	539	233 (43 %)	159 (29 %)
• 2014	542	185 (34 %)	112 (21 %)
• 2009	543	162 (30 %)	76 (14 %)

करोड़पति विजयी उम्मीदवार

विश्लेषण किए गए 543 विजयी उम्मीदवारों में से 504 (93 प्रतिशत) करोड़पति हैं। लोकसभा 2019 चुनावों के दौरान विश्लेषण किए गए 539 सांसदों में से 475 (88 प्रतिशत) सांसद करोड़पति थे। लोकसभा 2014 चुनावों के दौरान विश्लेषण किए गए 542 सांसदों में से 443 (82 प्रतिशत) सांसद करोड़पति थे और लोकसभा 2009 चुनावों के दौरान विश्लेषण किए गए 543 सांसदों में से 315 (58 प्रतिशत) सांसद करोड़पति थे।

पार्टीवार करोड़पति विजयी उम्मीदवार

- भाजपा के 240 में से 227 (95%)
- कांग्रेस के 99 में से 92 (93%)
- डीएमके के 22 में से 21 (95 %)
- एआईटीसी के 29 में से 27 (93%)
- सपा के 37 में से 34 (92%)
- आप के 3 में से 3 (100%)
- जेडी(यू) के 12 में से 12 (100%)
- टीडीपी के 16 (100%) विजयी उम्मीदवारों ने 1 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है।

विजेता उम्मीदवारों का शैक्षणिक विवरण

105 (19 %) विजेता उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता 5वीं पास और 12वीं पास के बीच घोषित की है, जबकि 420 (77%) विजेता उम्मीदवारों ने स्नातक और उससे अधिक की शैक्षणिक योग्यता घोषित की है। 17 विजेता उम्मीदवार डिप्लोमा धारक हैं और 1 विजेता उम्मीदवार ने खुद को केवल साक्षर घोषित किया है।

विजेता उम्मीदवारों का आयु विवरण

58 (11 %) विजेता उम्मीदवारों ने अपनी आयु 25 से 40 वर्ष के बीच घोषित की है जबकि 280 (52 %) विजेता उम्मीदवारों ने अपनी आयु 41 से 60 वर्ष के बीच घोषित की है। 204 (38 %) विजेता उम्मीदवारों ने अपनी आयु 61 से 80 वर्ष के बीच घोषित की है और 1 विजेता उम्मीदवार ने अपनी आयु 82 वर्ष घोषित की है।

विजेता उम्मीदवारों का लिंग विवरण

इस वर्ष लोकसभा चुनाव में 74 (14 %) महिला विजेता उम्मीदवार हैं। लोकसभा चुनाव 2019 में विश्लेषित 539 सांसदों में से 77 (14%) सांसद महिलाएं थीं। लोकसभा चुनाव 2014 में विश्लेषित 542 सांसदों में से 62 (11 %) सांसद महिलाएं थीं। लोकसभा चुनाव 2009 में विश्लेषित 543 सांसदों में से 59 (11 %) सांसद महिलाएं थीं।

केवल 0.7% वोट गिरे और भाजपा को 63 सीटों का नुकसान से 16 राज्यों में मिली हार

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में भले ही बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए को बहुमत मिल गया हो, लेकिन बीजेपी को बड़ा झटका लगा है। पिछले दो चुनावों में अपने दम पर बहुमत हासिल करने वाली बीजेपी इस बार बहुमत से बेदखल हो गई है। इसके साथ ही देखा जा रहा है कि 240 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी बीजेपी के जनसमर्थन में भी भारी कमी आई है। लगभग 16 राज्यों में बीजेपी का वोट प्रतिशत घटा है। 2019 की तुलना में इस बार बीजेपी को 68.97 लाख ज्यादा वोट मिले हैं।

हालांकि बीजेपी का वोट प्रतिशत थोड़ा कम हुआ है। 2019 में बीजेपी को 37.7 फीसदी वोट मिले। लेकिन अब यह आंकड़ा 0.7 फीसदी घटकर 36.6 फीसदी हो गया है। लेकिन मतदान में बिफर 0.7 फीसदी की कमी आने से बीजेपी को सीटें 2019 के मुकाबले करीब 20 फीसदी कम हो गई हैं। 2019 में बीजेपी ने 303 सीटें जीती थीं। लेकिन अब यह संख्या घटकर 240 रह गई है।

करीबी मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा

कुछ जगहों पर बीजेपी उम्मीदवार ने बड़े अंतर से जीत हासिल की है। लेकिन कई सीटों पर बीजेपी को करीबी मुकाबलों में हार का सामना

करना पड़ा। इसलिए इस चुनाव में बीजेपी को 36.6 फीसदी वोट और लोकसभा में 44.1 फीसदी सीटें मिलीं। लेकिन जो आंकड़े सामने आए हैं उसके मुताबिक बीजेपी को सबसे ज्यादा नुकसान उत्तर प्रदेश में हुआ है। 2019 में उत्तर प्रदेश की 80 में से 62 सीटें जीतने वाली बीजेपी इस बार सिर्फ 33 सीटें ही जीत पाई। इस तरह बीजेपी को 29 सीटों का नुकसान हुआ है।

वोट प्रतिशत भी 8.6 फीसदी कम हो गया

इतना ही नहीं, 2019 में उत्तर प्रदेश में करीब 50 फीसदी वोट हासिल करने वाली बीजेपी का वोट प्रतिशत भी 8.6 फीसदी कम हो गया है। न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, झारखंड, कर्नाटक, बिहार, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, उत्तराखंड आदि राज्यों में भी।

विधानसभा चुनाव बीजेपी की बढ़ेगी चिंता

उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा और बिहार में हार से बीजेपी की चिंता बढ़ेगी। इसकी वजह ये है कि अगले कुछ महीनों में महाराष्ट्र और हरियाणा में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। साथ ही दोनों राज्यों में हालात बीजेपी के लिए प्रतिकूल नजर आ रहे हैं।

2024 में क्षेत्रवार कैसे रहे नतीजे, किस पार्टी को कहां फायदा और कहां हुआ नुकसान?

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे घोषित किए जा चुके हैं। 4 जून के परिणामों में लोगों की नजरें क्षेत्रवार नतीजों पर भी हैं। तमाम दलों ने क्षेत्र के हिसाब से अपनी रणनीतियां बनाई और इसके तहत चुनाव प्रचार किया है। नतीजे बताएं कि किसकी मेहनत कितनी रंग लाई।

उत्तर भारत में भाजपा को बड़ा झटका

इस क्षेत्र में लोकसभा की कुल 205 सीटें आती हैं। ये सीटें जम्मू कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड को मिलाते हुए कुल 12 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश की हैं। इस लोकसभा चुनाव में 205 में से 90 सीटें भाजपा के खाते में गईं। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के 32 सांसद जीते। वहीं 83 सीटों पर अन्य को जीत मिली। पिछले लोकसभा चुनाव में 205 में से 146 सीटें भाजपा के खाते में गई थीं। कांग्रेस के महज 11 सांसद ही जीत सुनिश्चित कर पाए थे। वहीं 48 सीटों पर अन्य को जीत मिली थी।



दक्षिण में भाजपा-कांग्रेस से आगे क्षेत्रीय दल

इस क्षेत्र से कुल 132 सांसद चुनकर आते हैं। दक्षिण भारत की ये सीटें तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी, लक्षद्वीप और अंडमान निकोबार जैसे कुल आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आती हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में 132 में से कांग्रेस ने 42 सीटों पर जीत हासिल की। भाजपा ने 30 सीटों पर जीत हासिल की। वहीं इन दलों से काफी आगे क्षेत्रीय पार्टियों के 60 सांसद चुने गए हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में 132 में से कांग्रेस और भाजपा दोनों ने 29-29 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं क्षेत्रीय पार्टियों के 74 सांसद चुनकर लोकसभा पहुंचे थे।

पश्चिम भारत में भाजपा को नुकसान तो कांग्रेस को फायदा

इस क्षेत्र से लोकसभा की कुल 78 सीटें आती हैं। ये सांसद गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, दादरा नगर हवेली, दमन-दीव से चुनकर संसद पहुंचते हैं। इस लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 78 में से 36 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं कांग्रेस के केवल 15 उम्मीदवार लोकसभा संसद चुने गए। वहीं अन्य दलों के 27 सांसद जीते हैं। बीते लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 78 में से 51 सीटों पर अपना परचम लहराया था। वहीं देश की सबसे पुरानी पार्टी के केवल दो उम्मीदवार लोकसभा संसद चुने गए थे। वहीं अन्य दलों के 25 सांसद जीतकर संसद पहुंचे थे।

पूर्वी भारत में अन्य दलों और भाजपा की टक्कर

देश के इस हिस्से से कुल 88 सीटें आती हैं। ये सांसद पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा, सिक्किम और नगालैंड जैसे 10 राज्यों से चुने जाते हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में 88 में से 45 सीटों पर भाजपा ने सफलता हासिल की। दूसरी ओर कांग्रेस के केवल नौ सांसद लोकसभा तक पहुंचे। इसके अलावा 35 सांसद अन्य दलों के जीतकर आए। पिछले लोकसभा चुनाव में 88 में से 40 सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की थी। कांग्रेस के महज सात सांसद संसद के निचले सदन तक पहुंचे थे। इसके अलावा 41 सांसद अन्य दलों के जीतकर आए थे।

मध्य भारत में एक सीट पर सिमटी कांग्रेस

इस क्षेत्र में कुल 40 लोकसभा सीटें हैं। जहां मध्य प्रदेश से लोकसभा के 29 सांसद चुने जाते हैं तो छत्तीसगढ़ में 11 सीटें हैं। इस चुनाव में 40 में से 39 सीटों पर भाजपा को जीत मिली है। वहीं कांग्रेस के खाते में मात्र एक सीट ही आई। पिछले चुनाव में 40 में से 37 सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी। वहीं कांग्रेस के खाते में मात्र तीन सीटें ही आई थीं।

■ न्यूज गैलरी

रीवा में फिर एक कैदी की मौत : एक सप्ताह के भीतर हुई तीन कैदियों की मौत

रीवा/नवप्रदेश। रीवा केंद्रीय जेल में फिर एक कैदी की मौत हो गई। जहां अब तक एक सप्ताह के भीतर 3 कैदियों की मौत हो चुकी है। जानकारी के मुताबिक कैदी को चार दिनों पहले ही अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जिसकी इलाज के दौरान गुरुवार को मौत हो गई। मृतक कैदी का नाम फूलचंद गुप्ता बताया गया है। जो मऊगंज थाने में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के मामले में सह आरोपी था। डॉक्टरों का कहना है कि कैदी की मौत किन परिस्थितियों में हुई है इसका खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही हो पाएगा। वहीं पूरे मामले में जेल अधीक्षक एस के उपाध्याय का कहना है कि सभी कैदियों का नियमित चेकअप कराया जाता है। लेकिन पिछले एक सप्ताह में तीन कैदियों की मौत हुई है। जिनकी न्यायिक जांच की जानी है। गुरुवार को जिस कैदी की मौत हुई है। उसे तबीयत खराब होने पर चार दिनों पहले अस्पताल में भर्ती करवाया था। जिसकी इलाज के दौरान मौत हुई है।

खाद की कालाबाजारी करने वालों पर होगी एफआईआर



गुना/नवप्रदेश। कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह द्वारा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के सभाकक्ष में खाद एवं वसुली की समीक्षा की गई। जिले में आ रही खाद की समस्या को देखते हुए कलेक्टर द्वारा प्रायवेट डीलर्स, सहकारी समितियां, मार्केट के गोदाम में रखे खाद के संबंध में गहन समीक्षा की गई। ग्रामीण कृषकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए ग्रामीण क्षेत्र में स्थित जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अधीनस्थ 62 सहकारी समितियों में खाद भंडारण का रूट प्लान भी तैयार किया जाकर तत्काल खाद भंडारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

कलेक्टर ने बैठक में दिए निर्देश; बोले- जिले में खाद पर्याप्त मात्रा में मौजूद

कलेक्टर ने बैठक में निर्देश दिए कि कृषकों को वाजिब दाम पर खाद मिले एवं मिलावटी खाद का विक्रय न हो, के निरीक्षण व पर्यवेक्षण के लिए कृषि विभाग के एसएलओ, आर्इओ तथा सहकारिता विभाग के निरीक्षक की अलग अलग टीम गठित की गई है। यह टीम समिति अथवा डबल लॉक पर खाद पहुंचाने के पूर्व की व्यवस्था से लेकर किसानों को खाद वितरण तक की व्यवस्था का बारिकी से निरीक्षण करेगी। कलेक्टर द्वारा समीक्षा के दौरान 22 समितियों (मुरादपुर, डेलबाज, मावन, पगारा, म्याना, मगराना, टकनेरा, चकदेवपुर, बमौरी, रामपुर कालोनी, चीम रामपुर, फतेहगढ़, कपासी, आरोन, सालय, खामखेड़ा, देहरीकलां, मुंडाखुर्द, गावरी, आवन, रामनगर, बड़ा आमल्या) में 25 मेट्रिक टन प्रति समिति के हिसाब से 6 जून तक 550 मेट्रिक टन खाद भंडारण कराने के निर्देश जिला विपणन अधिकारी और उपसंचालक कृषि को दिए गए। इसी के साथ खाद का वितरण ऋहस मशीन के माध्यम से करने, स्टॉक रजिस्टर में खाद की आवक दर्ज करने एवं किसानों को वितरित खाद की मात्रा रजिस्टर में दर्ज करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये गये। बैठक में खाद की कालाबजारी करने वाले खाद विक्रेताओं पर एफआईआर एवं खाद लायसेंस निरस्त करने के निर्देश उपसंचालक कृषि को दिये गये। कलेक्टर द्वारा अवगत कराया गया कि जिले में खाद की कमी नहीं है, खाद की पर्याप्त उपलब्धता है। उन्होंने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अधिनस्थ समितियों के कालातीत किसानों से वसूली किये जाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये। समीक्षा बैठक में तहसील स्तर पर क्रिस योजनान्तर्गत लम्बित प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही किये जाने के लिए जिले के सभी तहसीलदारों को भी निर्देश दिए। शासकीय कर्मचारियों के वसूली के लिए उनके विभाग प्रमुखों को पत्र लिखे जाने के लिए कलेक्टर द्वारा बैंक के मुख्य कार्यापालन अधिकारी अस्तु प्रभाकर को निर्देशित किया गया।

केन्द्र सरकार ने कहा- सिमी पर प्रतिबंध बरकरार रखें: हाईकोर्ट में रखा पक्ष

कहा- अवैध गतिविधियां जारी; फिर होगी सुनवाई

जबलपुर/नवप्रदेश। केंद्र सरकार ने देश सिमी यानि स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) पर प्रतिबंध बरकरार रखने की सिफारिश की है। गुरुवार को एटीएस के वकील एससी पांडे ने हाईकोर्ट में अपना पक्ष रखा। कहा- सिमी की गतिविधियां रुकी नहीं हैं, इसलिए प्रतिबंध जारी रखना चाहिए। इस पर शुक्रवार को फिर सुनवाई होगी। इस दिन सिमी के वकील अपना पक्ष रखेंगे।

केंद्र सरकार ने जनवरी 2024 को सिमी पर पांच साल का प्रतिबंध बढ़ा दिया था। साथ ही, प्रतिबंध की सुनवाई के लिए ट्रिब्यूनल बनाया। इसके पीठासीन अधिकारी दिल्ली

आचार संहिता खत्म, महापौर हेल्पलाइन शुरू होगी

भोपाल में मंगलवार को होगी जनसुनवाई; प्रदर्शन-रैली भी हो सकेंगे

भोपाल/नवप्रदेश। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता खत्म हो गई है। गुरुवार को चुनाव आयोग ने इसके आदेश जारी कर दिए। इसके बाद अब भोपाल में जनसुनवाई, महापौर हेल्पलाइन शुरू हो सकेंगी। वहीं, प्रदर्शन-रैली भी किए जा सकेंगे।

भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव की मतगणना होने के बाद मध्यप्रदेश समेत देशभर में लागू चुनाव आचार संहिता खत्म करने के निर्देश जारी किए हैं। चुनाव आयोग ने निर्देश में कहा है कि चुनाव प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

इसलिए आचार संहिता समाप्त की जा रही है। चुनाव आयोग के इस निर्देश के बाद अब भोपाल में भी विकास कार्य के भूमिपूजन, लोकार्पण हो सकेंगे तो प्रशासनिक स्तर पर भी कार्य किए जा सकेंगे।

अफसर भी रहे बिजी, इस वजह से काम अटके

बता दें कि 16 मार्च से लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू हो गई थी। 7 मई को भोपाल में वोटिंग हुई। एक तरफ आचार संहिता लागू थी। वहीं, चुनाव में बड़े नेताओं



के रोड शो, सभाएं और दौरे, नामिनेशन प्रोसेस, वोटिंग के लिए ट्रेनिंग समेत अन्य कार्यों की वजह से अफसर व्यस्त रहे। यही कारण है कि

हालांकि, अब आचार संहिता खत्म हो गई है। ऐसे में जनसुनवाई भी हो सकेंगी।

ये काम शुरू होंगे

सीएम हेल्पलाइन के तहत भोपाल में 4 हजार से अधिक शिकायतें लंबित हैं। इनमें लेवल-1 पर ही 2 हजार शिकायतें हैं। अब अफसर इनका निराकरण करेंगे। महापौर हेल्पलाइन भी शुरू हो गई है। लोग पानी, स्ट्रीट लाइट, आवारा पशु, सफाई आदि मुद्दों पर शिकायत कर सकेंगे। जिले में 222 ग्राम पंचायतें हैं।

कई गांव ऐसे हैं, जहां पानी की समस्या है। इन गांवों में पानी की समस्या दूर हो सकेगी।

समग्र आईडी, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आयुभान कार्ड, राशन कार्ड, पात्रता पर्ची, उज्जवला योजना, जनधन खाता जैसे कई कामों को लेकर भी लोग भटक रहे हैं। इन्हें भी निपटारा जाएगा।

पेशन प्रकरणों में भुगतान की स्थिति, राजस्व वसूली पर भी अफसर फोकस रखेंगे।

एसडीएम-तहसील कोर्ट में भी कई केस पेंडिंग हैं। ये नामांकन, सीमांकन, बंटकन आदि से जुड़े हैं।

पूर्व सीएम दिग्विजय के बूथ से हारे अरुण श्रीवास्तव: आलोक अपने बूथ से 90 प्रतिशत वोटों से जीते

भोपाल उत्तर के एक बूथ पर सिर्फ 5 वोट मिले

भोपाल/नवप्रदेश। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के बूथ से कांग्रेस कैडिडेट अरुण श्रीवास्तव को सिर्फ 96 वोट मिले हैं। दिग्विजय ने 7 मई को पत्नी के साथ दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर-152 पर वोट डाला था। यहां से बीजेपी के आलोक शर्मा को 305 वोट मिले हैं। आलोक अपने बूथ से 90 प्रतिशत वोटों से जीते हैं, जबकि अरुण को अपने ही बूथ से 36 वोट ज्यादा मिले। भोपाल उत्तर विधानसभा में अरुण के पक्ष में एकतरफा वोटिंग हुई। एक बूथ पर तो आलोक शर्मा को सिर्फ 5 वोट ही मिले।

भोपाल लोकसभा सीट पर बीजेपी के आलोक शर्मा ने रिकॉर्ड

5 लाख 1499 वोटों से जीत हासिल की है। यह 40 साल में सबसे बड़ी जीत है। सबसे बड़ी बढ़त गोविंदपुरा और हुजूर विधानसभा से मिली। गोविंदपुरा विधानसभा से 1,37,547 और हुजूर विधानसभा 1,26,456 वोट की लीड रही। वहीं, भोपाल की कांग्रेस की कब्जे वाली भोपाल उत्तर और भोपाल मध्य क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार अरुण श्रीवास्तव को ज्यादा वोट मिले।



कुछ वाई ऐसे रहे, जहां वोटों का अंतर जमीन-आसमान जैसा ही रहा है।

भोपाल उत्तर के 68 बूथ पर 100 से कम वोट

भोपाल उत्तर में कुल 246 पोलिंग बूथ हैं। इनमें से 68 बूथ ऐसे रहे, जहां आलोक शर्मा को 100 से कम वोट मिले हैं। 204 नंबर के बूथ से तो आलोक को सिर्फ 5 वोट ही मिले, जबकि इसी बूथ से अरुण को 571 वोट

मिले। बूथ नंबर-80, 89, 95, 96, 102, 120, 121, 145, 169, 171, 172, 173, 174, 175, 201, 202, 203 और 207 में भी आलोक को 20 से कम वोट मिले हैं। इन्हीं बूथों से कांग्रेस के अरुण को बड़ी लीड मिली। यही वजह है कि भोपाल उत्तर से आलोक को 22 हजार 715 वोट कम मिले। इस विधानसभा से अरुण को 91 हजार 774 और आलोक को 69 हजार 59 वोट मिले।

भोपाल मध्य से कांग्रेस को इसलिए बढ़त

भोपाल मध्य से कांग्रेस को 6011 वोटों की लीड मिली। यहां से अरुण को 71 हजार 468 और आलोक को 65 हजार 457 वोट मिले हैं। यहां आधे पर अरुण तो बाकी पर आलोक की लीड रही। 50 बूथ पर अरुण और 43

इंदौर में विजयवर्गीय ने की राहुल गांधी की तरीक

बोले- राहुल गांधी गांव गांव पैदल चले; इसका फायदा विपक्ष को मिला

इंदौर/नवप्रदेश। इंदौर में मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय ने राहुल गांधी की तरीक में उनका एक वीडियो सामने आया है। जिसमें वे ये कहते नजर आ रहे हैं – %जनता का जो जनादेश हो उसे स्वीकार करना चाहिए। राहुल जी ने भी कितनी मेहनत की है। पैदल चले बेघारे। गांव-गांव दौड़ लगाई। जिम-विम की उन्होंने। थोड़ा बहुत अगर उनका भी बढ़ गया.. प्रतिपक्ष भी अच्छा मजबूत होना चाहिए, हमारा मानना है।

इंडिया गठबंधन को यूपी में मिले समर्थन को लेकर कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इस पर हम समीक्षा करेंगे। मध्यप्रदेश में वलीन स्वीप को लेकर सभी ने मेहनत की है।

छिंदवाड़ा कलस्टर का मुझे प्रभार दिया था, जिस पर कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम किया है। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि राहुल गांधी ने जमकर मेहनत की है। जनता के जनादेश को स्वीकार करना चाहिए।

जल गंगा संवर्धन अभियान में तालाबों और कुओं का जीर्णोद्धार

106 तालाब 376 चेक डैम 113 बावड़ियों का गहरीकरण होगा



उज्जैन/नवप्रदेश। उज्जैन जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान- आगामी 16 जून तक चलाया जाएगा। इसके तहत जिले के तालाबों, चेक - डैम, स्टॉप-डैम, बावड़ियों व सार्वजनिक उपयोगी कूपों के गहरीकरण और मरम्मत के लिए आवश्यक गतिविधियां जनसहयोग के माध्यम से की जा रही हैं। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह के निर्देशन में गत 5 जून से जिले में अभियान के तहत गतिविधियां प्रारंभ हो गई हैं?। अभियान के दौरान जिले के 226 तालाबों में जीर्णोद्धार, गहरीकरण और मरम्मत का कार्य किया जाएगा। इनमें से 106 तालाबों का गहरीकरण प्रारंभ हो चुका है, जबकि 14 तालाबों के कैचमेंट क्षेत्र में अवरोध और अतिक्रमण हटाने का कार्य भी किया जा रहा है। उज्जैन जिले के 376 चेक डैम और स्टॉप डैम में जीर्णोद्धार, गहरीकरण और मरम्मत की जाएगी। इनमें से 71 चेक डैम और स्टॉप डैम में अतिक्रमण हटाने का काम किया जा रहा है।

साथ ही, 86 चेक डैम और स्टॉप डैम में गहरीकरण का कार्य चल रहा है। जिले में स्थित बावड़ियों और सार्वजनिक उपयोग के कूपों में जन सहयोग से गाद और कचरा निकालने तथा साफ

सफाई का भी काम अभियान के अंतर्गत सतत किया जा रहा है। जिले में 113 बावड़ियों हैं जिनमें गहरीकरण और मरम्मत का कार्य किया जाएगा। जन सहयोग से 32 बावड़ियों में गाद और कचरा साफ सफाई का काम वर्तमान में चल रहा है। जिले की 27 ग्राम पंचायतों में यह काम किया जा रहा है। वही कूप की बात की जाए तो जिले में 333 सार्वजनिक उपयोगी कूपों में जीर्णोद्धार,गहरीकरण और मरम्मत का कार्य किया जाएगा।

जिले की कुल 281 ग्राम पंचायतों में मनरेगा के अंतर्गत जल संरक्षण और संवर्धन का अभियान चल रहा है। जनपद पंचायत चड्डिया, खाचरोद, महिदपुर में भी तालाबों और बावड़ियों की साफ-सफाई कर गहरीकरण का कार्य जन सहयोग से किया जा रहा है।



शासन की ओर से सिमी के प्रतिबंध को लेकर कई अहम सबूत भी रखे गए।

पिछले सात साल में सिमी के नहीं हैं अपराध

शुक्रवार को होने वाली सुनवाई के दौरान सिमी के वकील नईम खान अपना पक्ष रखेंगे। नईम खान ने बताया, 'बीते कुछ साल से सिमी के खिलाफ किसी भी जिले में अपराध दर्ज नहीं हुआ है, जिससे जाहिर होता है कि सिमी का संगठन खत्म हो चुका है। अब इतनी हिम्मत भी नहीं है कि वो दोबारा संगठन को खड़ा कर पाए। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान हम कोर्ट से सिमी से प्रतिबंध हटाने के लिए रिक्लेस्ट करेंगे।

1977 में हुई थी सिमी की स्थापना

प्रतिबंधित इस्लामिक छात्र संगठन सिमी की स्थापना अप्रैल 1977 में मोहम्मद अहमदुल्ला सिद्दीकी ने की थी। यह संगठन देश में कई आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा। इसके चलते साल 2001 में केंद्र सरकार ने सिमी को प्रतिबंधित संगठन घोषित कर दिया था। 2008 में विशेष न्यायाधिकरण के तहत यह प्रतिबंध हटा दिया। इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। इसके बाद प्रतिबंध फिर से लागू कर दिया गया।

साल 2008 में इंदौर में दबिश के दौरान संगठन के तत्कालीन प्रमुख सफदर नागौरी को पकड़ा गया था। देशभर में सिमी के सबसे ज्यादा सदस्यों की गिरफ्तारी मध्यप्रदेश से ही हुई है।

सुविचार

चापलूस व्यक्ति कितना भी मीठा बोले एक दिन आपके लिए बीमारी बन जाएगा। बेबाक व्यक्ति चाहे जितना कड़वा बोले एक दिन औषधि बनकर काम आएगा। - अज्ञात

सबको खुश करने वाला जनादेश

यह संभवतः चुनावी इतिहास में पहली बार हुआ है कि ईवीएम ने ऐसे चुनावी नतीजे उगले हैं कि उसने सभी को खुश कर दिया है। जीतने वाला तो खुश ही है हारने वाला भी खुश है। इस बार ईवीएम पर किसी भी राजनीतिक पार्टी ने कोई सवालिया निशान नहीं लगाया है। अन्यथा पिछले बार हुए तमाम चुनावों में हारने वाली पार्टियां ईवीएम पर ही अपनी पराजय का ठीकरा फोड़ती थीं। ईवीएम में गड़बड़ों के आरोप लगाया करती थीं किन्तु इस बार ऐसा जनादेश सामने आया है कि किसी को भी ईवीएम से कोई शिकायत नहीं हो रही है। जनादेश पर सभी खुश हैं। और इस जनादेश को अपने पक्ष में बता रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी भले ही 370 सीटों के लक्ष्य को भेद नहीं पाई है और अपने बलबूते पर सरकार बनाने में विफल रही है। किन्तु 240 सीटें पाकर वह सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। और सरकार बनाने में सफल हो गई है। इसलिए भाजपा का खुश होना स्वाभाविक है। भाजपा के लिए खुशी की बात यह भी है कि उसने अरुणाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव में जीत की हैट्टिक लगाकर एक नया इतिहास रच दिया। भाजपा के लिए खुशी की दूसरी सबसे बड़ी बात यह भी है कि ओडिशा में उसने पहली बार सबसे ज्यादा लोकसभा सीटें हासिल की और आजादी के बाद से पहली बार ओडिशा विधानसभा चुनाव में उसने प्रचंड बहुमत हासिल कर ओडिशा में अपनी सरकार बना ली। इसी तरह आंध्रप्रदेश में भी तेलुगू देशम के साथ समझौता कर उसने वहां कुछ लोकसभा सीटें हासिल की और आंध्रप्रदेश विधानसभा चुनाव में भी तेलुगू देशम के साथ चुनाव लड़ कर वह पहली बार आंध्रप्रदेश सरकार में सत्ता की भागीदार बनी है। भाजपा के लिए छोटी सी ही सही लेकिन एक और खुशी की बात यह भी रही है कि इस बार के लोकसभा चुनाव में उसने केरल में लोकसभा की एक सीट पाकर वहां अपना खाता खोल लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए भी खुशी की ही बात है कि उनके नेतृत्व में तीसरी बार एनडीए की सरकार बन गई और इस तरह लगातार तीन बार जीत हासिल करने के मामले में नरेन्द्र मोदी ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इस बार की चुनावी नतीजे कांग्रेस के लिए भी संजीवनी बनकर सामने आए हैं जो भले 99 के फेर में पड़कर शतक लगाने से चूक गई हो लेकिन वह एक दशक के बाद देश की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनने में सफल रही। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए भी ये चुनावी नतीजे दोहरी खुशी लेकर आए हैं। कायनाड और रायबरेली दोनों ही सीटों से लाखों वोटों के प्रचंड बहुमत से चुनाव जीतने में सफल हो गए। यही नहीं बल्कि पिछले लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को जिस स्थिति इरानी ने पराजित किया था। उसे गांधी परिवार के एक साधारण कार्यकर्ता ने पराजित कर पिछले चुनाव का हिंसा बरकरार कर दिया। कांग्रेस ने देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में भी बेहतर प्रदर्शन किया। जहां पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को सिर्फ एक रायबरेली की सीट पर ही सफलता मिली थी। जहां सोनिया गांधी चुनाव जीती थी। यदि गठबंधन के लिहाज से देखें तो ये चुनावी नतीजे एनडीए और आईएनडीआई दोनों को ही खुश करने वाले रहे हैं। एनडीए में शामिल तेलुगू देशम और जदयू की तो मानो लॉटर्री लग गई है। भाजपा को सिर्फ 240 सीटें मिलने के कारण तेलुगू देशम और जदयू के हाथ में सरकार का रिमोट कंट्रोल आ गया है। अब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू दोनों ही अपने अपने राज्यों की बहुप्रतीक्षित मांग को मनवाने के लिए केन्द्र सरकार पर दबाव बनाने की स्थिति में आ गए हैं। गौरतलब है कि बिहार को लंबे समय से विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग नीतीश कुमार उठाते रहे हैं। इसी मांग के चलते पूर्व में उन्होंने एनडीए का साथ भी छोड़ दिया था। अब नीतीश कुमार अपनी इस मांग को मनवाने की स्थिति में आ गए हैं। यदि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिल पाता है तो भी वे बिहार के लिए केन्द्र सरकार से विशेष आर्थिक पैकेज लेने में तो निश्चित रूप से सफल हो जाएंगे। इसी तरह चंद्रबाबू नायडू भी अपने राज्य के लिए विशेष आर्थिक पैकेज लेने में कामयाब हो जाएंगे। एनडीए में शामिल चिराम पासवान सहित अन्य नेताओं की छोटी पार्टियों को भी मोदी सरकार में उचित प्रतिनिधित्व मिल जाएगा। वहीं दूसरी ओर आईएनडीआई में शामिल अन्य विपक्षी दलों की भी बल्ले बल्ले हो गई है। इस बार के चुनावी नतीजे उनकी भी रास आए हैं। बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ताकत और बढ़ी है। उनकी तृणमूल कांग्रेस पार्टी ने पिछले लोकसभा चुनाव के मुकामबले इस बार ज्यादा सीटें हासिल कर नया रिकॉर्ड बनाया है। इसी तरह आईएनडीआई में शामिल समाजवादी पार्टी ने भी उत्तरप्रदेश में नया इतिहास रच दिया है। समाजवादी पार्टी ने सीटों के लोकसभा चुनाव में 35 सीटों पर शानदार जीत दर्ज की है। महाराष्ट्र में भी आईएनडीआई को शानदार सफलता मिली है। भले ही वहां शिवसेना और राजवादी कांग्रेस पार्टी टूट गई थी लेकिन उद्धव ठाकरे और शरद पवार का जलवा बरकरार रहा। कुल मिलाकर यह ठोस ठोकर देने इस चुनावी नतीजे से गदगद हैं। लोकसभा के इन चुनावी नतीजों से सिर्फ एक पार्टी को मायूसी हाथ लगी है। और वह है बहुजन समाज पार्टी जिसकी सुप्रीमो मायावती का एकला चलो रे की नीति पर चलना उनके लिए घातक साबित हुआ और लोकसभा चुनाव में उनका खाता भी नहीं खुल पाया जबकि पिछले लोकसभा चुनाव में बहुजन समाजपार्टी को उत्तरप्रदेश में दस सीटें मिली थीं।

प्रेरक प्रसंग

न्यायप्रियता

बात 1627 की है। उस समय सरदार वल्लभभाई पटेल खेड़ा और नागपुर के सत्याग्रह आंदोलन का सफल नेतृत्व करने के बाद अहमदाबाद नगरपालिका के अध्यक्ष पद को सुशोभित कर रहे थे। उसी समय नगरपालिका में मुख्याधिकारी का पद रिक्त हुआ और उसके लिए तीन प्रत्याशी साक्षात्कार के लिए बुलाए गए। उनमें से एक श्री मोरारजी देसाई भी थे। इंटरव्यू में प्रत्याशियों को स्वयं सरदार पटेल ने ही सबसे अधिक जाँचा और मोरारजी को सबसे अधिक योग्य पाया। निदान, उन्हीं की नियुक्ति का निश्चय किया, किंतु मोरारजी विरोधी दल के प्रत्याशी थे। सरदार के सत्ताधारी दल ने मोरारजी का विरोध किया और अपने पक्ष के एक अन्य प्रत्याशी को नियुक्त कर दिया। सरदार पटेल अपने ही दल का यह अन्याय सहन न कर सके और उन्होंने नगरपालिका के अध्यक्ष पद से यह कहकर त्यागपत्र दे दिया कि न्याय के द्वारे में मैं पक्षपात की दृष्टि से नहीं देख सकता। लोगों ने उन्हें इस प्रकार खतरा मोल न लेने के लिए कहा तो उन्होंने दृढ़तापूर्वक उत्तर दिया- ‘जो किसी अच्छे काम में मरना चाहता है, मृत्यु उससे जल्दी बोलती नहीं।

आज का पंचांग

				बुध-14	
बुध	11	सूर्य-मंगल	10		8
	9	शनि	15	13-15	
		राहु	4	चन्द्र-केतु	6
मंगल	14		3	5	

सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त : 19:10, चन्द्रोदयः 05:40, चन्द्रास्तः 19:17, अयन : उत्तरायण, ऋुः ग्रीष्म, शक सम्वतः 1946 (श्रीधौ), विक्रम सम्वतः 2081 (कालचक्र) ग्रीष्म, संवत्सरः श्रौधी, संवत्सर -(उत्तर) कालयुक्त, युगाब्दः (फलि संवत्) 5126, मास : ज्येष्ठ, पक्ष : शुक्ल, तिथि : प्रतिपदा, नक्षत्र : मृगशिरा, योगः पुष्टि (22:08 से शुल), प्रथम करण : चतुष्पाद (06:58 तक), द्वितीय करण : नाग (18:07 तक)।

।गोचर ग्रहः शू।-

सूर्य : वृष, चंद्र : वृष, मंगल : मेष (उदित, पूर्व, माग्री), बुध : वृष (अस्त, पूर्व, कर्की), गुरु : वृष (उदय, पूर्व, माग्री), शुक : 8 वृष (अस्त, पूर्व, माग्री), शनि : कुम्भ (उदित, पूर्व, माग्री), राहु : मीन, केतु : कर्कश

अभिजित : मृगश्रि 11:59 से 12:53, राहुकाल :12:00 से 13:30, यमगण्ड : 05:42 से 07:23, दुर्गमूर्त : 10:11 से 11:05, अमृत काल : 17:12 से 18:44, विजय मुहूर्त : 14:36 से 15:32, गोपूलि मुहूर्त : 19:15 से 19:35, सायह्न सन्ध्या :19:16 से 20:16, निशिता मुहूर्त : 23:56 से 24:36, राहुवासः दक्षिण, होमाहुति : 24:36, राहुवास : दक्षिण, नक्षत्राहुति : दक्षिण, नक्षत्र शुल : पश्चिम (20:16 तक), अग्निवास : पृथ्वी, चन्द्र वास : दक्षिण, शिववास : गौरी के साथ (18:07 से २९शान्त में)।



श्रवण गर्ग

पिछले दस सालों में भाजपा के समर्पित कार्यकर्ताओं की रणों में जमा हुए असंतोष और नाराजगी के मवाद को भी इस दौरान सार्वजनिक रूप से पूर पड़ने का अवसर मिल जाएगा। बंद कमरों में उसकी शुरुआत भी शायद हो चुकी हो । वार जून के नतीजों ने इतना गर तो कर ही दिया कि पाँच जून के सूर्योदय के साथ ही मुल्क की ज़िंदगी में बदलाव दिखना शुरू भी हो गया। गारतको अब एक हिन्दू राष्ट्र घोषित नहीं किया जा सकेगा। संविधान नहीं बदला जा सकेगा। नए मंदिर बनेंगे पर स्थापित धार्मिक स्थलों के साथ छेड़छाड़ नहीं की जा सकेगी। संसद में विपक्ष के सवालों के जवाब भी मिलेंगे और प्रधानमंत्री को बोलना भी पड़ेगा। उपसंहारः वार जून के सूर्योदय के समय कितने लोगों ने कल्पना की होगी कि सूर्यास्त होने तक उस स्वाजन्तर्श अधिनायकवादी सत्ता के अंधकार में डूबने का काल प्रारंभ हो जाएगा जो अगले सौ सालों तक राज करने का जन्ता से अधिकार प्राप्त करना चाहती थी ?

आज का इतिहास

नई दिल्ली वार्ता। 1801 पुर्तगाल और स्पेन ने बदाजोज की संधि पर हस्ताक्षर किए, जिसके परिणामस्वरूप पुर्तगाल ने ओरिएन्टेज्हा शहर को छो दिया। 1809 टुराणी साम्राज्य के शुन शाह ने ब्रिटिशों के साथ एक संधि पर हस्ताक्षर किये। 1827 यूनानी रक्षकों ने जन्तरल रशीद पाशा की कमान के तहत मिस की सेनाओं को एथेंस में आत्मसमर्पण किया। 1832 रिफॉर्म एक्ट यूनाइटेड किंगडम में कानून ला। 1839 हवाई अधिकारों का घोषणापत्र हस्ताक्षरित किया गया। 1862 संयुक्त राज्य और ब्रिटेन ने गुलाम व्यापार को दबाने पर सहमति दी। 1862 संयुक्त राज्य अमेरिका तथा ब्रिटेन दास व्यापार खत्म करने पर राजी हुए। 1892 गिनियापोलिस में रिपब्लिकन सगमेलेन शुरू हुआ। 1892 न्यू ऑरलियान्स के एक 'ओपरेटर्स' होमर एलसी को रें ने 'क्सट्र-ओनली' कार छोड़ने के लिए गिरफ्तार किया गया था। 1898 अमेरिका की सामाजिक लोकतंत्र पार्टी ने पहला राष्ट्रीय सगमेलेन, शिनागो में रखा। 1899 अमेरिकन टेम्परेंस वरुसेडर कैरी नेशनल ने कैमकावा, कैनसस में एक सैलून में प्रवेश किया, और सभी मासिक पेय पदार्थों को नष्ट करने के लिए आगे बढ़े। 1906 कनाई लाइनर आरएनएस लुसेतिया को गलासगो में दुनिया के सबसे बड़े जहाज के रूप में लॉन्च किया।

पाठकों की बात

2024 में भारतीय जनता ने

2024 में भारतीय जनता ने ऐसा फैसला सुनाया है जिसे भारतीय राजनीति में लंबे समय तक याद रखा जाएगा। जनता ने भाजपा और उसके सहयोगियों को ऐसी जीत दी है जो हार जैसी लगती है। जनता ने कांग्रेस गठबंधन को ऐसी हार दी है जो जीत जैसी लगती है।

– सचिन चौधरी

दरवाजे तैह जीत के

दरवाजे तैह जीत के,.....हो जाते हैं बंद। घर के अपने ही जहाँ, हो जाएं जयचंद।। बतलाते हैं जीत को , औरों की कुछ हार । राजनीति का आनकल,यह कैसा आधार ।। करं फयदे के लिए, कूटिल फंसेबी खेले ।। नामसझी से देश को,पीछे रहे धकेल ।।

– रमेश शर्मा वशिष्ट

QUIZ TIME

- अंतरिम सरकार में गृह, सूचना एवं प्रसारण मंत्री कौन थे?
- सशस्त्र सेना झंडा दिवस कब मनाया जाता है?
- अरुणाचल प्रदेश के बाद ई-कैबिनेट प्रणाली शुरू करने वाला दूसरा उत्तर-पूर्व राज्य कौन सा है?

है?

4) किस देश में दुनिया की सबसे चौड़ी सड़क है?

5) किसे टाइम

मैगजीन द्वारा पर्सन

ऑफ़ द ईयर नामित

किया गया है?



अधुना भट्ट (५) लालाबा

(४) लल्लु (६) लल्लु ८ (८) लल्लु ६ल्लु लल्लु (१) –लल्लुलल्लु

आज का राशिफल



मेष: आज आपका व्यवहार अत्यंत लचीला रहेगा पूर्व में मिली सफलता से मान ने अहम के भाव भरे रहेगे

आपने कार्य समय से एवं बेहतर रूप से करेगे।

वृष: आज के दिन आपका स्वामिगानी स्वभाव जिस लाभ के अधिकारी है उसमें कुछ कमी ला सकता है।

मिथुन: आज का दिन भी विपरीत फलदारी रहेगा परन्तु आज आपकी दूरदर्शी सोच भविष्य में होने वाली हानि से बचाव करेगी।

कर्क: आज के दिन आपका उदार स्वभाव सार्वजनिक क्षेत्र पर प्रतिष्ठा

दिलाएगा लेकिन उदारता केवल अपने काम निकालने के लिये ही रहेगी।

सिंह: आज के दिन आप धन की तुलना में प्रतिष्ठा का अधिक ध्यान रखेंगे।आज विदेश यात्रा के प्रयासों में आशानुकूल सफलता मिल सकती है।

कन्या: आज का दिन बीते दिन की तुलना में सुधार वाला रहेगा किसी से किये अमर आचरण का पम्थाताप होगा लेकिन फिर भी स्वभाव में बदलाव लाने का प्रयास नहीं करेगे।

तुला: आज का दिन भी प्रतिकूल फल देने वाला रहेगा सेहत में विकार रहने से कार्य करने में उत्साह कम ही दिखाएंगे।**वृश्चिक**: आज का दिन आपके लिए आनंददायक रहेगा घरेलू एवं व्यावसायिक उलझनों के बाद भी स्वयं

प्रसन्न रहेगे साथ में रहने वालों को भी प्रसन्न रखेंगे।

धनु: आज का दिन शुभ फलदारी है आज आप विपरीत परिस्थिति में भी अपने पराक्रम से धन कमाएंगे।

मकर: आज के दिन आप सामाजिक क्षेत्र पर अपने बुद्धि कौशल का आवश्यकता से अधिक प्रदर्शन करेंगे इससे जो लोग आपको अभी तक अत्यंत बुद्धिमान मान रहे थे।

कुंभ: आज के दिन आप अपने लापरवाह व्यवहार के कारण लोगों से शत्रुता मोल लेंगे दिन का अधिकांश समय अनुकूल रहेगा।**मीन**: आपका आज का दिन शुभता दायक रहेगा। बोल चाल में दक्षता आपनी स्वभाव में आज विनोदिय रहेगा।

जनता इवीएम के जरिए सिर्फ कातरता और कायरता उगलने वाली है। उसे पक्का भरोसा था कि जिस अस्सी करोड़ जनता के हाथों में मुप्त अनाज के कटोरे थमा दिये गए हैं वह पूँजीपतियों की गुलाम हुकूमत के हाथों में तीसरी बार भी बहुमत थमा देगी। जनता ने ऐसा नहीं होने दिया। पहले जनता डरी हुई थी। अब हुकूमत सहमी हुई है।

सात चरणों में मतदान के बाद नतीजों के जरिए प्रकट हुआ जन-विरोध इस बात के प्रति भी हो सकता है कि मतदाता ने जिस व्यक्ति को अपने जैसा ही हाड़-मांस का शरीर समझकर सत्तारूढ़ किया उसने देखते ही



देखते अपने आप को परमात्मा के अविश्वसनीय अवतार में परिवर्तित कर लिया। अपनी छवि को मतदाताओं की आँखों में तलाश करने के बजाय सड़कों के किनारे लगे बैनरों,पोस्टरों,बड़े-बड़े होर्डिंस और कट-आउट्स में तलाशना शुरू कर दिया।

हर तरह की कीमत चुकाकर सत्ता में बने रहना मोदी के लिए इसलिए जरूरी हो गया है कि निहित स्वार्थों के जिस साम्राज्य को उन्होंने पिछले दस वर्षों में अपने इर्द-गिर्द खड़ा कर लिया है वह उनकी अनुपस्थिति में सांस लेने की कल्पना भी नहीं कर सकेगा। लाखों-करोड़ों भक्तों-समर्थकों की एक ऐसी

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

..खास..प्राती..

फिर से नाचूँ फिर से गाऊँ



फिर से नाचूँ फिर से गाऊँ।। फिर लहरों से ताल मिलाऊँ।। फिर अम्बर की चूनर ओढ़ूँ। पर्वत की खटिया पर पोढ़ूँ।। तितली संग मैं डोलूँ फिर से।। केस हवा में खोलूँ फिर से।। बूँदों का फिर हार बनाऊँ।। और कली को जा पहनाऊँ।। धूप की चोटी बाँधू फिर से।। जीवन को मैं साधूँ फिर से।। फिर से कँचे गि़ल्ले खोलूँ । फिर से दुख को बाहर ठेकूँ।। फिर आँखों मे खूवाब सजाऊँ।। जीवन की फिर सरगम गाऊँ।। – आशा पाण्डेय ओझा

एक पेड़ कभी भी अकेला नहीं गिरता

एक पेड़ कभी भी अकेला नहीं गिरता, एक पेड़ कभी भी अकेला नहीं गिरता, उसके साथ-साथ दम तोड़ती हैं हमारी परम्पराएँ, हमारा विश्वास , हमारी आस्थाएँ जिस पर हम बरसों से अपनों की सलामती के धागे बाँधते आये हैं । कॉन्क्रिटों का शहर बसाने के लिए आज हम स्वयं उसके लिए खतरा बन गए हैं । हम मानवों से अधिक अहसान फ़ामोश और कौन होगा जो अपने तनिक स्वार्थ और भोग विलासिता के लिए ससँसे देने वाले की ही ससँसे छिन्ने को आतुर रहता है. पेड़ बचेंगे तो परम्पराएँ बची रहेंगी , संस्कृति पुष्पित-पल्वित होती रहेगी, हमारी पहचान जीवित रहेगी..- शशिश्-बंसल गोयल

एक साइकोलॉजी होती है जिस छत्र की

एक साइकोलॉजी होती है... जिस छत्र की औकात फेल होने की हो... वह यदि 33 परसेंट नंबर से भी पास हो जाता है... तो पूरे गांव में घूम-घूम कर मिठाई बांटता है... और यह कहता है कि फलाने छत्र की औकात तो 95त लाने की थी... लेकिन मेरी वजह से वह 75त पर रुक गया... और इसी में वह खुश रहता है... – कुमार संतोष

जमात उन्होंने अपने ऊपर आश्रित कर ली है जो उनके सत्ता से बाहर हो जाने पर अपने अस्तित्व की ही व्यर्थता का अनुभव कर सकती है। सत्ता प्रतिष्ठान से जुड़े रहे पूँजीपतियों के समूहों को इनमें प्रमुखता से शामिल किया जा सकता है। इनके बारे में राहुल गांधी का आरोप रहा है कि ये ही सत्ता के असली मालिक हैं। मोदी तो केवल मुखौटा हैं। चुनाव परिणामों के बाद प्राप्त हुई प्रतिक्रियाओं और शेयर बाज़ार की तबाही में इस सचाई की तलाश की जा सकती है।

विपक्षी गठबंधन ने सरकार बनाने का दावा पेश करने में जल्दबाज़ी न दिखाते हुए उचित वक्त पर उचित कदम उठाने का जो निर्णय अपनी पहली बैठक में लिया है वह इसलिए सही है कि एक लंबी गुमनामी के बाद आंध्र की सत्ता में लोटे चंद्रा बाबू नायडू और घोर अवसरवादी नीतीश कुमार के समर्थन की बैसाखियों पर अब ज़िंदा रहने वाली एनडीए सरकार को अपने अंतर्विरोधों के बोझ से ही ध्वस्त होने के लिए कुछ वक्त जरूर दिया जाना चाहिए। पिछले दस सालों में भाजपा के समर्पित कार्यकर्ताओं की रणों में जमा हुए असंतोष और नाराज़गी के मवाद को भी इस दौरान सार्वजनिक रूप से पूर पड़ने का अवसर मिल जाएगा। बंद कमरों में उसकी शुरुआत भी शायद हो चुकी हो !

चार जून के नतीजों ने इतना भर तो कर ही दिया कि पाँच जून के सूर्योदय के साथ ही मुल्क की ज़िंदगी में बदलाव दिखना शुरू भी हो गया।

भारतको अब एक हिन्दू राष्ट्र घोषित नहीं किया जा सकेगा। संविधान नहीं बदला जा सकेगा। नए मंदिर बनेंगे पर स्थापित धार्मिक स्थलों के साथ छेड़छाड़ नहीं की जा सकेगी। संसद में विपक्ष के सवालों के जवाब भी मिलेंगे और प्रधानमन्त्री को बोलना भी पड़ेगा।

उपसंहारः चार जून के सूर्योदय के समय कितने लोगों ने कल्पना की होगी कि सूर्यास्त होने तक उस स्वपन्दशी अधिनायकवादी सत्ता के अंधकार में डूबने का काल प्रारंभ हो जाएगा जो अगले सौ सालों तक राज करने का जनता से अधिकार प्राप्त करना चाहती थी ?

मुसलसल ही सफ़ पर हम चलते

मुसलसल ही सफ़ पर हम चलते रहे हैं यह बात वक्त ही सबको बता देगा दिल थक सा गया है इतिहास देते-देते खुद ही खाली है किसी को क्या देगा बुलंदियों पे जाने की बात सब कहते हैं ममार मुझे डर है एक दिन गिरा देगा भटकते रहे उग्रभर तलाश में मंजिल की भला कौन यहां रास्तों का पता देगा कुछ लोग मेरे साथ चलने को तैयार हुए क्या होगा जो इसमें से कोई दाग देगा एक चिराग काफ़ी नहीं तीरगी मिटाने को हवाओं का क्या है आकर बुझा देगा इंतजाम रौशनी के कुछ और भी हो अगर कंदील कोने-कोने में वहां जला देगा सब का दामन अबतक नहीं छोड़ा हमने कभी न कभी मेरी नेकी का सिला देगा शक औ शुब्हा की गुंजाइश है नहीं कोई यकीं खुदा पे बिगड़ी हुई बना देगा

– सपना चंद्रा



कहीं कुछ नया सा दिखे तो...

कहीं कुछ नया सा दिखे तो... सब तो वही है... कुछ अधूरा सा.. कुछ छूटा सा... कुछ पिछड़ा सा.. बस यही है... लोग या तो खुश और संतुष्ट हैं या वैसा दिखाने की कोशिश करते हैं... पर जब आत्मचिंतन करते हैं तो खुद को खोखला सा पाते हैं... शायद तभी अपने साथ नही बैठ पाते... या फिर उन्हें अपने साथ बैठना आता नहीं... – भागीरथी सिंह

शाम के वक़्त जब भी सोता हूँ

शाम के वक़्त जब भी सोता हूँ, सपनों को दर्द से भिगोता हूँ। इश्क़ का जब खुमार चढ़ता है, तो तेरा नाम ले के रोता हूँ। वैसे मंझधार को हरया है , हौसला साहिलों पे खोता हूँ। चांदनी तेरे घर पहुंचती तो , चांद बन तेरे पास होता हूँ। मुल्क में जब चुनाव आता है, मजहबों माला ही पिरोता हूँ। मैं गुलामी करूँ सियासत की, मैं भी पिंजरे का उसका तोता हूँ। – संजय दानी

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य -					
(भागवत साह)					
बाएं से दाएं					
1. अभिमान, धर्मज्ञ, अनुमान 4. भार, डाला हुआ, धायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. होरा					
ऊपर से नीचे					
1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूँद, अंश 9. ग्लूबु के देवता 13. 23. गग, गायन, दुख।					
संसार, दुनिया, जग 14. झूठ, जनाय, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सत्ता, धर्माभिष्ट, ईमानवाला 17. अनुच, बांका, अत्याप्त, छेला 18. आश्रय, शरण कारावास, जेल 19. जोर, शांति, आक्रमण, सत्ता 10. अंगुष्ठा, तकरार 25. होरा					
ऊपर से नीचे					
1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूँद, अंश 9. ग्लूबु के देवता 13. 23. गग, गायन, दुख।					
शब्द सामर्थ्य क्रमांक 079 का हल					
स्मृ ति पा व क बे ल					
र ज नी च र दू					
मु स्का न न म की न					
सार स स ट ख ना					
फि अ जा य ब रा जा					
र च ना था ल य					
धि र्थ स मा ज					
उ प कृ त आ वा ज					
ल्लू त ब ल रा म					

■ न्यूज गैलरी

एनएमडीसी बचेली में पर्यावरण दिवस पर कई स्पर्धाएं

बचेली/नवप्रदेश। बी. वेंकटेश्वरलु, अधिशासी निदेशक के मार्गदर्शन में विश्व पर्यावरण दिवस-2024, बैलाडीला लोह अयस्क खान, बचेली कॉम्प्लेक्स द्वारा हर्ष एवं उल्लस से मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा घोषित विश्व भूमि का पुर्नोद्धार, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की शक्ति पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम जैसे वृक्षारोपण, निबंध लेखन, नारा लेखन, चित्रकला प्रतियोगिताएं तथा जूट थैलों का वितरण आयोजित किये गये। कार्यक्रम में सर्वप्रथम बी. वेंकटेश्वरलु, अधिशासी निदेशक द्वारा वृक्षारोपण किया गया जिसके उपरान्त डीपी शेठ्टी, एसएम जगदीश्वर, जेसी दास, जागेश्वर प्रसाद, देवाशीष पॉल एवं अन्य विभागाध्यक्षों द्वारा संपन्न किया गया। जिसके उपरान्त बी. वेंकटेश्वरलु, अधिशासी निदेशक द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलायी गयी। बीआईओएम, बचेली कॉम्प्लेक्स द्वारा प्लास्टिक वेस्ट को कम करने हेतु जूट थैला का वितरण करने का निश्चय किया गया है। जिसका शुभारंभ श्री बी. वेंकटेश्वरलु अधिशासी निदेशक द्वारा सभी विभागाध्यक्षों एवं युनियन प्रतिनिधियों को जूट थैला प्रदान कर किया गया। कार्यक्रम में आगे विजेताओं को बी. वेंकटेश्वरलु, अधिशासी निदेशक द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। अंत में अंशुमान त्रिपाठी, सहायक महाप्रबंधक (पर्यावरण) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

जिला जज के नेतृत्व में कोर्ट परिसर में पौधा रोपण



कोंडगांव/नवप्रदेश। विश्व पर्यावरण दिवस पर परिवार न्यायालय भवन परिसर कोंडगांव में न्यायिक अधिकारीगण/अधिवक्तागण एवं कर्मचारीगण द्वारा पौधा रोपण कर पर्यावरण दिवस मनाया। विश्व पर्यावरण उत्तरा कुमार कश्यप जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोंडगांव के मार्गदर्शन में श्रीमती प्रिंशिला पॉल होरो, जिला अपर सत्र न्यायाधीश कोण्डगांव, कमलेश कुमार जुरीं अपर सत्र न्यायाधीश(एफ.टी.एस सी.)पॉक्सो कोंडगांव, शिव प्रकाश त्रिपाठी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कोंडगांव एवं कु0 गायत्री साय, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोंडगांव व समस्त अधिवक्तागण/कर्मचारीगण के द्वारा परिवार न्यायालय परिसर कोंडगांव में बारी- बारी से विभिन्न प्रकार के पौधे लगाकर पर्यावरण दिवस मनाया गया। प्रत्येक वृक्षों को एकत्र कर नाम देकर अधिकृत किया गया।

कब बुलबुल और रोवर रेंजर ने किया पौधारोपण



कोंडगांव/नवप्रदेश। भारत स्काउट एवं गाइड छत्तीसगढ़ राज्य कार्यालय रायपुर के निर्देशानुसार भारत स्काउट एंड गाइड से संबंध छत्तीसगढ़ राज्य के समस्त स्कूलों एवं कब बुलबुल टीम, स्काउटर गाइड, रोवर रेंजर को 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के पवन अवसर पर अपने घरों के आसपास, विभिन्न संस्थाओं, खेतों खलिहानों और शासकीय भवनों के आसपास पौधा रोपण करने का निर्देश प्राप्त हुआ था। इसी कड़ी में भारत स्काउट एंड गाइड जिला कोंडगांव द्वारा शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल मालगांव, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल आलोर, शासकीय हायर सेकेंडरी बांसगांव ,प्राथमिक शाला मुरारीपारा बड़ेबेंदरी स्कूल में पर्यावरण संरक्षण एवं संतुलन के लिए मास्टर पवन कुमार साहू के नेतृत्व में कब बुलबुल टीम के छात्र-छात्राओं द्वारा विद्यालय परिसर में पीपल, गुलमोहर , रामफल ,सीताफल एवं कोलियारी का पौधा रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ के पदाधिकारी में जिला संगठन आयुक्त पिंपभवंत साहू, जिला वरिष्ठ सलाहकार ऋषि देव सिंह, जिला एवं जिले के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

अकिता देवांगन नीट के लिए चयनित

बिलाईगढ़ नवप्रदेश। टुण्ड्रा निवासी अकिता देवांगन का नीट 2024 के लिए चयन हुआ है, वे प्राथमिक शाला सबरिया डेरा टुंड्री में पदस्थ शिक्षक प्रमोद देवांगन की सुपुत्री है, अकिता ने दूसरे प्रयास में यह सफलता प्राप्त की है।अकिता डीएपी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल कसडोल में अपनी बारहवीं तक की पढ़ाई की है,अकिता ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों को दिया है।

मनीष आई आई टी मद्रास के लिए चयनित

भाटापारा/नवप्रदेश। ग्राम सरारीडोह मनीष कुमार वर्मा पिता पुनीत राम वर्मा का चयन आई आई टी मद्रास के लिए हुआ। शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय बिलासपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक की डिग्री प्राप्त करने के बाद गेट की परीक्षा भी दो बार पास किया है। उसके पश्चात् आईआईटी मद्रास में लिखित और साक्षात्कार परीक्षा पास करके आज भारत के सबसे बड़े इंजीनियरिंग संस्थान आई आई टी मद्रास में रू में चयनित हुआ है।

छत्तीसगढ़ से मंत्री पद के लिए तीन नाम, किसके नाम पर लगेगी मुहर संतोष पांडे, बृजमोहन अग्रवाल और विजय बघेल के नाम चर्चा में

कवर्धा/नवप्रदेश। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद केंद्र की नई सरकार के गठन की तैयारी जोरों से शुरू हो गई है। ऐसे में छत्तीसगढ़ में भी सियासी हलचल भी तेज हो गई है। भाजपा ने जहां छत्तीसगढ़ में 11 में से 10 सीटें जीती हैं। वहीं अब चर्चा है कि छत्तीसगढ़ से मंत्री पद के लिए इन 3 लोगों के नाम रस में शामिल हैं। इनमें संतोष पांडे, विजय बघेल और बृजमोहन अग्रवाल हैं।

दुर्ग से विजय बघेल दूसरी बार सांसद चुने गए हैं। जबकि राजनांदगांव से संतोष पांडेय ने पूर्व



सीएम भूपेश बघेल को हरा कर दूसरी बार दिल्ली पहुंचे हैं। बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर लोकसभा से सबसे बड़ी जीत दर्ज कराई है। अब सवाल उठता है कि क्या इन्हें



केंद्रीय कैबिनेट में जगह मिलेगी या फिर संगठन की जिम्मेदारी दी जाएगी। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन के भी चुनाव होंगे और नई कार्यकारिणी बनेगी। ऐसे में छत्तीसगढ़ के नेताओं



और सांसदों को भी इसमें बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। केंद्र में इनकी अहम भूमिका होगी। संतोष पांडे ने पूर्व सीएम को दी मात:प्रदेश की सबसे हॉट सीट

राजनांदगांव से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को संतोष पांडेय ने शिकस्त दी है। साल 2014 में राजनांदगांव के सांसद रमन सिंह के बेटे अभिषेक सिंह थे, लेकिन 2019 में अभिषेक की टिकट काटकर संतोष पांडेय को उम्मीदवार बनाया गया और जीतकर वे पहली बार सांसद बने। इस चुनाव में वे दूसरी बार सांसद चुने गए हैं। पांडेय बचपन से ही आरएसएस से जुड़े रहे हैं। वे दो बार राजनांदगांव जिले से युवा मोर्चा के अध्यक्ष रह चुके हैं। संगठन में दो बार प्रदेश मंत्री, प्रदेश महामंत्री भी रहे। कृषि उपज मंडी और खेल एवं युवा

आयोग के अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने साल 2003 में वीरेंद्र नगर सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। मोदी सरकार में छत्तीसगढ़ कोटे से केवल 1 मंत्री साल 2014 में पहली बार देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद छत्तीसगढ़ से केवल एक ही सांसद को मौका मिला। उन्हें भी सीधे मंत्री बनाने के बजाए केंद्रीय राज्यमंत्री का ही दर्जा दिया गया। इनमें सीएम विष्णुदेव साय और रेणुका सिंह शामिल हैं। अब देखना यह है की इन तीन नामों में किसके नाम पर मुहर लग सकती है।

पति की दीर्घायु के लिए सुहागिनों ने रखा वट सावित्रीव्रत, वट वृक्ष की पूजा की



कवर्धा/नवप्रदेश। जिले सहित अंचल (ग्रामों) में वट सावित्री व्रत और शनि जयंती गुरुवार 6 जून को मनाया गया। सुहागिन इस दिन वट की पूजा कर प्रक्रिमा कर सुख शांति व पुत्र प्राप्ति की कामना करती हैं। सुहागिन महिलाएं इस व्रत को पूरे विधि-विधान से करती हैं, उन्हें अखंड सौभाग्यवती होने का का वरदान प्राप्त होता है। यह व्रत महिलाएं अपनी पति की लंबी आयु के लिए रखती हैं। इसके अलावा, कुछ जगहों पर कुंवारी कन्याएं भी मनचाहा वर पाने के लिए इस व्रत का पालन करती हैं। वट वृक्ष के मूल में भगवान ब्रह्मा, मध्य

में जनार्दन विष्णु और अग्र भाग में देवाधिदेव भगवान शिव स्थित रहते हैं। देवी सावित्री भी वट वृक्ष में प्रतिष्ठित रहती हैं। इसी वट वृक्ष के नीचे सावित्री ने अपने पतिव्रत से मूल्य पति को जीवित किया था। तब से यह व्रत वट सावित्री के नाम से विधि-विधान से करती हैं, उन्हें अखंड सौभाग्यवती होने का का वरदान प्राप्त होता है। यह व्रत महिलाएं अपनी पति की लंबी आयु के लिए रखती हैं। इसके अलावा, कुछ जगहों पर कुंवारी कन्याएं भी मनचाहा वर पाने के लिए इस व्रत का पालन करती हैं। वट वृक्ष के मूल में भगवान ब्रह्मा, मध्य

शनि मंदिर में हुई विशेष पूजा: शनि चालीसा का पाठ किया गया। शनि मंदिर

अखंड सौभाग्य के लिए सुहागिन महिलाओं ने रखा निर्जला उपवास



बचेली/नवप्रदेश। लोहनगरी में श्री दुर्गा मंदिर परिसर में गुरुवार 6 जून को सुहागिन महिलाओं द्वारा वट सावित्री का व्रत रखा गया। साथ ही वट वृक्ष की विधिवत पूजा अर्चना कर धागा बांधकर अपने पति की लंबी आयु एवं संतान प्राप्ति की कामना की गई,बताते की इस व्रत को विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और संतान प्राप्ति के लिए करती हैं। मान्यता है की सावित्री ने इसी व्रत के प्रभाव से अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से बचाए

थे,अखंड सौभाग्य के लिए देश भर में आज विवाहित महिलाएं वट सावित्री का व्रत रखती है। इस व्रत को करने पति की उम्र लंबी होती है और उनका दांपत्य जीवन सुखमय होता है। वट सावित्री व्रत के दिन सुहागिन महिलाएं सोलह श्रृंगार कर के निर्जला उपवास रखती हैं और विधि विधान के साथ वट यानी बरगद पेड़ की पूजा करती हैं। आज के दिन बरगद पेड़ की पूजा का विशेष महत्व है। कहते हैं कि यमराज ने माता सावित्री के पति सत्यवान के प्राणों को वट वृक्ष के नीचे ही लौटाया था और उन्हें 100 पुत्रों का वरदान दिया था। कहते हैं उसी समय से वट सावित्री व्रत और वट वृक्ष की पूजा की परंपरा शुरू हुई। मान्यता है कि आज के दिन बरगद पेड़ की पूजा करने से यमराज देवता के साथ त्रिदेवों की भी कृपा प्राप्त होती है।

जाकर काले माह साबुत, तेल, काला कपड़ा, काला फल, सूखा नारियल शनि

महाराज को अर्पित और शनि के बीच मंत्र का जाप करते नजर आए।

चुनाव प्रबंधन समिति संयोजक शर्मा को सीएम व प्रदेश अध्यक्ष ने मिठाई खिला कर दी बधाई



भाटापारा/नवप्रदेश। प्रदेश में भाजपा के बेहतरीन प्रदर्शन और एनडीए को पूर्ण बहुमत मिलने पर भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह एवं सीएम विष्णु मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक शिवरतन शर्मा को मिठाई और प्रदेश के लिए

खिलाकर मुंह मीठा कराया। इस अवसर पर राम प्रताप सिंह, संजय श्रीवास्तव, रामू रोहरा सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी एक ड़्क दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। सीएम विष्णु देव साय ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त कर कहा कि आज का ये दिन हमारे देश और प्रदेश के लिए

ऐतिहासिक दिन है। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने भी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विधानसभा में हमने 54 सीट पर जीत दर्ज कराई और लोकसभा में भी 11 में से 10 सीट हमने जीता है। चुनाव समिति के संयोजक शिवरतन शर्मा नेकहा कि इंडी गठबंधन को कुल मिलाकर जितनी सीटें

मिली है उससे ज्यादा भाजपा को जीत मिली है। इसके लिए सभी का आभार। हमारे कार्यकर्ता भाई-बहनों ने जो मेहनत की है उसकी बदौलत ही हम इस बहुमत को प्राप्त कर सके हैं। इसके लिए उन्होंने सभी कार्यकर्ता भाई-बहनों का आभार व्यक्त किया। पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और हमारे सभी शीर्ष नेतृत्व का आशीर्वाद हम सबको मिला। क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश चुनाव प्रभारी नितिन नबीन सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों के प्रति भी आभार जताया जिनके मार्गदर्शन में जीत दर्ज की।

कृषि केन्द्रों से लिए बीज और उर्वरक के नमूने

कोंडगांव/नवप्रदेश। जिले के किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक, कीटनाशक औषधि, कल्चर उत्पादि की उपलब्धता हेतु जिले के विकासखण्डों के सहकारी एवं निजी प्रतिष्ठानों में बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक दवाओं का नमूना लेकर गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। इसके लिए कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा लगातार कृषि सामग्री उपलब्ध कराने वाली व्यवसायिक केन्द्रों का निरीक्षण



किया जा रहा है। जिसके तहत मंगलवार को कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा

गौतम कृषि केन्द्र बफना, परमेश्वरी कृषि केंद्र भगदेवा, मंजेश कृषि केंद्र मुलमुला, भुवनेश्वर कृषि केंद्र मुलमुला, ओम साई कृषि सेवा केंद्र मुलमुला, पुष्पा कृषि केंद्र बनियागांव में बीजों के नमूने व परमेश्वरी कृषि केंद्र मुलमुला में कीटनाशक का नमूना व कोंडगांव के सुहाने एग्री ,इंडिया से 6 बोरी उर्वरक तो वहीं बोरागांव के दुर्गा कृषि व जय गुरु देव कृषि केंद्र से 6 बोरी धान नमूने की जांच के लिए भेजा गया है।

सभी पौधा रोप कर पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी लें : कलेक्टर



अग्रवाल ने ग्रामीणी स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्था ग्राम बरगा में पौधरोपण किया। इस दौरान उन्होंने वहां लगाए गए अमरूद, चीकू, आम, बेर, पीपता, केला एवं अन्य पौधों का अवलोकन

किया। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण केन्द्र में समूह की महिलाओं एवं अन्य लोगों को विभिन्न गतिविधियों से संबंधित अच्छ प्रशिक्षण दें। इस दौरान वे स्वरोजगार के लिए किए जा रहे अपने अनुभवों एवं गतिविधियों को भी साझा करें, जिससे दूसरों को प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुनगा के पौधे जरूर लगाएं। उन्होंने डबरी में मछली पालन करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने इस दौरान मनरेगा के तहत किए जा रहे कार्यों का अवलोकन किया। कलेक्टर इस दौरान महिलाओं से रूबरू हुए और उन्हें जल संरक्षण तथा पौधरोपण के लिए प्रोत्साहित किया तथा उनकी समस्याएं भी सुनीं। उन्होंने कहा कि डबरी निर्माण जल संरक्षण की दिशा में

एक महत्वपूर्ण कार्य है। जमीन में मिट्टी बनी रहे, इसके लिए पौधरोपण जरूरी है। डबरी से जल संरक्षण होने पर पौधों को पानी मिलेगा और भू-जल का स्तर भी बढ़ेगा। उन्होंने महिलाओं से कहा कि छायादार एवं फलदार पौधे लगाएं। इसके लिए राशि भी प्रदान की जाएगी। कोशिश करने से सफलता जरूर मिलती है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि जल संरक्षण के लिए जिले में लगातार प्रयास किया जा रहा है। धान के बदले ऐसी फसल लेना चाहिए जिसमें कम पानी की आवश्यकता होती है। मनरेगा अंतर्गत आप सभी को न केवल रोजगार मिला है, बल्कि गांव की बेहतरी के लिए आप सभी कार्य कर रहे हैं। जिला पंचायत सीईओ सुश्री

सुरुचि सिंह ने कहा कि छत्तों में जल के संरक्षण के लिए व्यवस्था करें तथा सोख्ता गड्ढा भी बनवाएं। जिससे भू-जल में बढ़ोतरी होगी। महिलाओं से कहा कि मनरेगा के अंतर्गत डबरी निर्माण के माध्यम से आप सभी को रोजगार मिला है। इसके साथ ही जल संरक्षण के लिए भी कार्य किया जा रहा है। जिसका फायदा सभी ग्रामवासियों को आगे मिलेगा। इस अवसर पर डि.टी कलेक्टर श्रीमती सरस्वती बंजारे, उप संचालक पंचायत देवेन्द्र कोशिक, मनरेगा के फैज मेनन एवं ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्था बरगा के प्रशिक्षण अधिकारी रणजीत सिंह एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एनडीए की यह प्रचंड विजय मोदी की गारंटी पर विश्वास की जीत : रंजना साहू



डू मोदी के सेवा और सुशासन की जीत : नरेंद्र रोहरा

धमतरी/नवप्रदेश। एनडीए गठबंधन को पूर्ण बहुमत मिलने एवं महासमुद्र लोकसभा क्षेत्र से श्रीमती रुपकुमारी चौधरी की ऐतिहासिक जीत पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने शहर के हृदय स्थल घड़ी चौक में एक दूसरे को मिठाई खिलाकर, पटाखे, खेल बाजे के साथ खुशियां मनाई। इस खुशी के मौके घर घर पर भाजपा प्रदेश कार्यकर्ताओं ने मोदी की सरकार बनाने का आशीर्वाद दिया, जनता जनार्दन का आशीर्वाद भाजपा एवं एनडीए गठबंधन पर बना हुआ है। भाजपा हस्ताक्षर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प के साथ हम केंद्र में पुनः सरकार बनाने जा रहे हैं। साथ ही साथ छत्तीसगढ़ की जनता ने अपना भरोसा भाजपा पर जताया है। विकसित भारत के संकल्प को साकार करने हेतु देश की जनता का आत्मीय आभार। यह प्रचंड विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर विश्वास की जीत है। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रकाश बैस धमतरी की जनता का आभार प्रकट करते हुए कहा कि अत्यंत हर्ष हो रहा है की तीसरी बार पुनः

पीएम नरेंद्र मोदी बन रहे हैं। यह ऐतिहासिक क्षण देवतुल्य कार्यकर्ताओं व जनता का सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास की जीत है। नगर पालिका निगम नेता प्रतिपक्ष नरेंद्र रोहरा ने कहा कि सेवा और सुशासन पर पुनः विश्वास जताते हुए भाजपा की एनडीए सरकार को अभूतपूर्व विजय दिलाने के लिए भारत वासियों का समर्पण भाव एवं उनके विश्वास की जीत है। जनता जनार्दन के आशीर्वाद और भाजपा कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम के फलस्वरूप केंद्र में एनडीए की सरकार बन रही है। इस मौके पर पूर्व विधायक पिंकी शिवराज शाह, श्रवण मरकाम, पूर्व रणसिंह, पार्वती वाघवानी, जिला कोषाध्यक्ष चेतन हिंदूजा, कन्हैयालाल साहू, राजेश गोलख, महामंत्री अविनाश दुबे, राजेंद्र लुंकड़ , बिसेन निषाद, ईश्वर सोनकर, सरिता असाई, रितेश नेताम, मिथिलेश सिंहा, श्यामलाल नेताम, नीलू डागा, रश्मि त्रिवेदी, पन्ना थवाईत, चिंगा आथा, आकाश गुप्ता, केशव साहू, जितेश सिंह,दीपक लालवानी, गौकरण साहू, नीतू त्रिवेदी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

■ न्यूज गैलरी

लोस चुनाव : 198 प्रत्याशियों की जमानत हुई जप्त

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की 11 लोकसभा सीट पर चुनाव मैदान में मुख्य रूप से कांग्रेस और भाजपा के बीच ही सीधा मुकाबला हुआ। वहीं चुनाव मैदान में उतरे 198 प्रत्याशी अपनी जमानत तक नहीं बचा पाए हैं। इस बार चुनाव में कुल 220 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे थे। लोकसभा 2024 के चुनाव में राज्य में 220 उम्मीदवारों में गोडबाना गणतंत्र पार्टी और बहुजन पार्टी सहित कुल कुल 220 प्रत्याशियों ने अपना भाग्य आजमाया। गोडबाना गणतंत्र पार्टी (जीजीपी) के उम्मीदवार श्याम सिंह मरकाम (कोरबा सीट) और एलएस उदय सिंह (सरगुजा सीट) ने अपनी-अपनी सीट पर तीसरा स्थान हासिल किया लेकिन अपनी जमानत नहीं बचा पाए। श्याम सिंह मरकाम को 48587 मत मिले हैं। जबकि एलएस उदय सिंह को 15651 मत मिले। ाबहुजन समाज पार्टी (बसपा) के उम्मीदवार इनोसेंट कुजूर (रायगढ़ सीट), अश्विनी रजक (बिलासपुर), दिलीप रामदेके (दुर्ग), ममता रानी साहू (रायपुर), डॉ रहित डहरिया (जांजगीर-चांपा) और तिलकराम मरकाम (कांकेर) अपनी-अपनी सीटों पर तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन उनकी जमानत जप्त हो गई। राज्य में 72.8 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया था। चुनाव आयोग के अनुसार, किसी उम्मीदवार को अपनी जमानत बचाने के लिए निर्वाचन क्षेत्र में डाले गए कुल वोटों का कम से कम छठ हिस्सा प्राप्त करना होता है। सामान्य (ओबीसी सहित) श्रेणी के लिए 25 हजार रुपये और अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए जमानत राशि 12,500 रुपये है।

दुकान के सामने खड़ी बाइक पार

रायपुर/नवप्रदेश। रविभवन के पास खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर गोलबाजार पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी शिवनंदन तिवारी 29 वर्ष अबैडकर गंग उरला का रहने वाला है। प्रार्थी अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एमएफ 9656 को रवि भवन स्थित बीपी चौहन स्टोर्स के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर गोलबाजार पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

युवक से की गई मारपीट

रायपुर/नवप्रदेश। मठपुरैना बीएसयूपी कालोनी में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक ने दूसरे युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी सोनू नायक 35 वर्ष मठपुरैना बीएसयूपी कालोनी का रहने वाला है। बताया जाता है कि वही मोहल्ले में रहने वाला आरोपी खीर सिंधु नायक ने पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 294, 506, 323 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सरेआम शराब पीते 11 गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी पुलिस ने नशेडियों के खिलाफ अभियान चलाकर सरेआम शराब पीते 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार मंदिरहसौद पुलिस ने देशी शराब दुकान के पास सरेआम शराब पीते आरोपी राजीव टण्डन 19 वर्ष, खसरा पुलिस ने आरोपी समीर रात्रे 30 वर्ष एवं रजेंद्र नगर पुलिस ने आरोपी जलिन्धर कामडे 30 वर्ष व मनोज साहू 22 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं टिकरापारा पुलिस ने आरोपी योगेश कुमार सिंह 22 वर्ष, असफाक हुसैन 36 वर्ष व परदेशी पेडेल 48 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं गंज थाना पुलिस ने आरोपी सोनू यादव 36 वर्ष व रमेश मिरी 35 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह खमतगई पुलिस ने आरोपी पवन साव 32 वर्ष व संजय साव 31 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

शराब तस्करी करता एक्टिवा सवार युवक पकड़ा गया

रायपुर/नवप्रदेश। अभनपुर पुलिस ने एक्टिवा वाहन से शराब तस्करी करते एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 60 पाव देशी शराब जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार अभनपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम कंद्री में दबिश देकर एक्टिवा सवार आरोपी तापध्वज हेतव 27 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 60 पाव देशी शराब जब्त किया है। जिसकी कीमत करीब 7200 रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में अभनपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

शुष्क दिवस पर बार से शराब बिक्री की सूचना पर की गई कार्रवाई

कोरबा/नवप्रदेश। लोकसभा निर्वाचन 2024 मतगणना दिनांक 04 जून 2024 को कलेक्टर कोरबा द्वारा शुष्क दिवस घोषित किया गया था। उक्त दिवस को एम्पल-3 होटल बार रितुराज जमनीपाली में पराब बिक्री करने की शिकायत प्राप्त होने पर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अजीत वसंत एवं श्री सौरभ बख्शी सहायक आयुक्त आबकारी कोरबा के निर्देशन में आबकारीधुलिस विभाग द्वारा आकस्मिक दबिश देने पर शिकायत सही पाए जाने पर एम्पल-3 होटल बार रितुराज के विरूद्ध विभागीय प्रकरण दर्ज कर आरोप पत्र दिया गया है।

कवि सम्मान समारोह 9 को

रायपुर/नवप्रदेश। कला एवं साहित्य तथा रंगमंच के लिए समर्पित अखिल भारतीय संस्था ‘संस्कार भारती’ एवं ‘लोकरंजनी’ लोक कला मंच वाकफ के संयुक्त तत्वावधान में 9 जून को शाम 6 बजे से कवि सम्मान समारोह का आयोजन वृंदवन हॉल सिविल लाइन में किया जाएगा. ‘संस्कार भारती’ के डॉ. पुष्पेोत्तम चंद्राकर ने बताया कि कार्यक्रम में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कवियों में पद्मश्री डॉ सुरेंद्र दुबे, मीर अली ‘मीर’, रामेश्वर वैष्णव, रामेश्वर शर्मा, सुशील भोले, डॉ. चित्तरंजन कर, शकुंतला तरार, डॉ. सीमा श्रीवास्तव, उर्मिला देवी उर्मि आदि शामिल होंगे.

समय है.. चेत जाएं.. एक कदम.. और कुएं से हो जाएगा बड़ा भू-भाग रिचार्ज



जल का मुख्य स्रोत कुआं लड़ रहा अस्तित्व की लड़ाई, जिम्मेदार कर रहे उपेक्षा

▮ सभी जगह पक्कीकरण से बारिश का पानी धरती के अंदर नहीं जा पा रहा है

▮ निजी हो या शासकीय जल स्रोत कुएं की अनदेखी आगे पड़ेगी सबको भारी

बलीदाबाजार/भाटापारा/नवप्रदेश

।। पूरी दुनिया में पानी को लेकर त्राहिमाम है। एक-एक बूंद के लिए हाहाकार मचा हुआ है, तब भी लोग अपने जल स्रोतों को बचाने की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। हर जगह पक्कीकरण के कारण बारिश का पानी धरती के अंदर नहीं जा पा रहा है। वहीं जितना पानी जमीन के अंदर नहीं जा पाता उससे कई गुना पानी हम कई माध्यमों से निकाल लेते हैं। हम जल स्रोतों की उपेक्षा कर लगातार परेशानी से घिरे जा रहे हैं। एक जल स्रोत कुआं है जो आज के समय में अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है।

दो दशक पहले ग्राम रवान में सार्वजनिक शासकीय प्राकृतिक जल स्रोत कुआं हुआ करता था। पूरे गांव की प्यास वहीं से बुझती थी। भारी गर्मी दोपहरी में कुएं का ठंडा जल शरीर को तरोताजा कर सुकुन देता था। स्वादिष्ट मीठा जल हर किसी को तृप्त कर देता था। घर का सस्म हो या फिर बाहर से आया कोई भी मेहमान पहले सीधे कुएं में जाकर बाल्टी से पानी निकाल कर ठंडे पानी से हाथ-मुंह धोकर घर में प्रवेश करते थे, तब उन्हें भीषण गर्मी में भी बड़ी राहत मिलती थी। पर आज के समय आधुनिकता के दौर में कुएं की उपेक्षा ने यह सुकुन भी छीन लिया गया। वैसे ताजा ठंडा पानी अब नहीं मिलता। बता दें कि सीधे जमीन के

इससे जुड़ी हुई है धर्म और अध्यात्म की बात

कुओं से धर्म और अध्यात्म भी जुड़ा हुआ था। पूजा के लिए जल की आवश्यकता पर यहीं से पानी लेकर जाते थे। लोग बड़ी श्रद्धा के साथ सम्मान का प्रतीक पनघट पर जाकर कुआं पूजन करते दिखाई देते थे, पर वैसे नजारा अब बीते दिनों की बात हो गई। आज वहां लोग कूड़ा करकट का अंबार लगा दिया है। सुरक्षा की दृष्टि से पूर्व जनप्रतिनिधियों ने कुएं पर लोहे का जाली भले ही लगावाया दिया गया था, परंतु जल स्रोत को सही तरह से बचाने के लिए ठोस पहल नहीं की गई। कुएं में जल गायब हो चुका।



राहगीर अपनी प्यास बुझाकर पाते थे सुकुन

ग्रामवासियों से मिली जानकारी के अनुसार दोनों सरकारी कुओं का पानी काफी मीठा हुआ करता था। गांव के आधी से ज्यादा आबादी इन्हीं दोनों कुएं पर आश्रित हुआ करते थे। प्रतिदिन दैनिक काम के लिए यहीं से पानी का उपयोग होता था। वर्तमान में दोनों कुओं की निशानी मात्र बची हुई है। ग्राम रवान में सरकारी स्कूल के पीछे एक और दूसरा कुआं बलीदाबाजार भाटापारा मुख्य मार्ग से लगा हुआ वर्तमान बस स्टॉप के पास हुआ करता था। मुख्य मार्ग पर चलने वाले लोग इन कुओं से ही अपनी प्यास बुझाते थे।

अंदर से निकाले गए जल में शरीर को जो खनिज तत्व चाहिए वह मिलता था। इस कारण से शरीर के अंदर कुएं का पानी जाते ही शरीर तरोताजा हो जाता था। इसलिए हर घर एक कुआं जरूर होता था। गर्मी में इसकी आवश्यकता को लोग महसूस करते हैं।

आज जल स्रोत का बड़ा माध्यम कुओं का अस्तित्व ही खतरे में है। घरों का हो या गांव का सरकारी कुआं या तो पट गया या फिर उसमें गंदगी,

कचरा डालकर जानबूझकर स्वार्थ के लिए बंद कर दिया गया। वहीं कई कुएं अतिक्रमण की भेट चढ़ गया। अब्बे खासे कुएं कूड़ा करकट से भर कर बदहली पर आंसू बहा रहा है। रवान गांव का सरकारी कुआं कचरे से भर दिया गया, से देख-रेख साफ-सफाई के अभाव में कुआं पूरी तरह से अपना अस्तित्व खो चुका है।

पानी की लगातार कमी को देखते हुए भी बविष्य में और परेशानी होने वाली है उसके बाद भी आसपास के

अब भी बचे हैं यहां 10 से 15 निजी कुएं

देखरेख के अभाव में अब वही कुएं अपना अस्तित्व खत्म कर चुके हैं। गांव में अभी भी 10 से 15 निजी कुएं बचे हुए हैं जिनका उपयोग अभी भी ग्रामीण करते हैं। कुएं का पानी प्राकृतिक होने के कारण काफी मीठा एवं शीतल हुआ करता है।

लोग घर से निकलने वाले कूड़े-करकट को जल स्रोत कुएं में डाल रहे हैं जिसके कारण कुआं पटल समतल हो चुका है। यह एक विडंबना है कि जनप्रतिनिधि भी इस ओर ध्यान नहीं देते। पढ़े-लिखे लोग भी जल स्रोत की उपेक्षा कर रहे हैं। वे अगर जागरूक हो जाएं तो जनप्रतिनिधियों के साथ संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों को भी जल संरक्षण के लिए योजना तैयार करवा सकते हैं। बता दें कि रवान में दो

शास्त्रों में मान्यता है प्यास बुझाने वाले को मिलता है पुण्य

बताया जाता है कि पुण्य प्राप्ति के लिए लोग कुओं की खुदाई कराया करते थे। शास्त्रों में मान्यता है कि कुएं का पानी पिलाने से खुदवाने वाले को पुण्य की प्राप्ति होती है, परंतु आज के समय में कुएं खुदवाना व्यावहारिक नहीं माना जाता, पर जल को धरती के अंदर ले जाने का आज भी अच्छा माध्यम कुओं को माना जाना चाहिए। आज भी ऐसे लोग हैं जो रचनात्मक सोच के साथ जीवन जीते हैं। इसी कारण से अब भी कई जगहों पर कम ही सही पर ग्रामीण क्षेत्रों में ही कुआं देखने को मिलता है।

जनप्रतिनिधियों की अनदेखी बड़ा कारण

मामले पर समीक्षा की जाए तो यह बात सामने आती है कि पंचायत प्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण सरकारी कुआं ग्रामीण क्षेत्रों से खत्म होते जा रह है। बता दें कि ग्रामीण क्षेत्र में पानी की कमी ना हो इसके लिए शासन द्वारा लाखों रुपए खर्च किए जाते हैं, परंतु उदासीनता के चलते जल का मुख्य स्रोत कुएं अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। इसके प्रति लोगों की जागरूकता में कमी के कारण कुएं के आसपास रहने वाले लोग अपने घरों का कूड़ा-करकट कुएं में डाल रहे हैं, जिससे कुआं गंदगी से भर गया है।

कुएं के पनघट पर बांट लेती थीं सुख-दुख

ज्ञात हो कि कुएं के पनघट पर जहां कभी सुख शाम घल-पहल रहता था वहीं महिलाएं पानी लेने के बहाने कुछ देर सुकुन के पल गुजारते हुए एक-दूसरे से सुख-दुख की चर्चा भी कर लेती थीं, लेकिन अब वह समय चला गया। कुओं के आसपास की रौनक खतम हो गई। पनघट पर सन्नाट पसर गया। लोग अब उस ओर देखते भी नहीं हैं।

कुआं बड़े एरिया को रिचार्ज करने का अच्छा माध्यम

जल स्रोतों की आगे हम बविष्य में पानी को लेकर और परेशान होंगे। ऐसे में हम सभी को चाहिए कि वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से जमीन को रिचार्ज करें। इसके लिए बड़ा अच्छा माध्यम कुआं है जहां पूरे गांव के बारिश के पानी को इकट्ठा कर बड़े भू-भाग को रिचार्ज कर जल की कमी की परेशानी कम कर सकते हैं, बस ठोस कदम उठाने की है

सरकारी कुओं के अलावा अधिकांश घरों में जल का मुख्य स्रोत कुएं पाए जाते थे, जो गर्मी के दिनों में पूरे गांव के लोगों की प्यास बुझती थी।

साथ ही ये कुएं गांव का वाटर लेवल सामान्य रखने के लिए काम आया करता था। इसे लेकर ग्रामीण बताते हैं कि 20 से 30 साल पहले ये सरकारी कुएं ही ग्रामीणों की प्यास बुझाने का मुख्य माध्यम था। इन

कुओं को बाकायदा शासन द्वारा समय-समय पर सफाई कराया जाता था। रख-रखाव पर ध्यान दिया जाता था, लेकिन बदलते परिवेश में हैंडपंप और अन्य पेयजल के साधन उपलब्ध होने से निजी हो या शासकीय सभी कुएं धीरे-धीरे उपेक्षा का शिकार होते गए, जिस वजह से गांव में ही सरकारी कागजों में ही कुएं बचे हुए हैं।

तीन महीने में 1931 लोग हुए हीट स्ट्रोक का शिकार

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी में लू का प्रकोप जारी है। दिन के साथ-साथ रात में भी गर्म हवाएं चल रही हैं।गर्मी का असर लोगों के स्वास्थ्य पर भारी पड़ रहा है। इससे लोगों की सेहत बिगड़ रही है।

अस्पतालों में पेट दर्द, डिहाइड्रेशन, कमजोरी जैसे बीमारियों से पीड़ित मरीज ज्यादा पहुंच रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार राज्य के डेढ़ हजार से अधिक लोग गर्म हवा की वजह से बीमार होकर इलाज के लिए अस्पताल तक पहुंचे हैं। सबसे ज्यादा मामले बलीदाबाजार में दर्ज हुए हैं। छह जिले ऐसे हैं, जहां एक भी केस दर्ज नहीं हुए। रायपुर जिले में हीट-स्ट्रोक के केवल तीन मामले दर्ज हुए हैं।

प्रदेश में तीन महीने में 1,931 लोग हीट स्ट्रोक के शिकार हुए हैं। विशेषज्ञों का कहना है, अभी गर्म हवाओं से बचना बेहद जरूरी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मार्च के महीने में मौसम में बदलाव। होने के बाद से गर्मी और बढ़ते तापमान की वजह से होने वाले हीट-स्ट्रोक की रोकथाम के लिए निगरानी की जाती है।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार मार्च और अप्रैल के महीने में लू की वजह से बीमार होने वालों की संख्या 375 थी, जो मई के समाप्त होने से पहले 193 तक पहुंच गई है। आंकड़ों के



अनुसार हीट स्ट्रोक के सबसे ज्यादा मामले बलीदाबाजार जिले में दर्ज किए गए, वहीं जशपुर, दुर्ग, बस्तर और बलरामपुर जिले से एक भी हीट- स्ट्रोक के केस की इंट्री नहीं की गई है।

रायपुर जिले में लू से संबंधित तीन मामले दर्ज किए गए हैं। चिकित्सक तेज धूप से बचने की सलाह दे रहे हैं। आबैडकर अस्पताल के चिकित्सकों ने बताया कि लू के मरीज कम आ रहे हैं, लेकिन पेट दर्द, बुखार, सिर दर्द, उल्टी-दस्त, लूजमोशन के मरीज लगातार आ रहे हैं। ज्यादा तापमान में रहने से लगातार शरीर का तापमान बढ़ता है, जिससे जो मिचलाने जैसी समस्याएं हो रही हैं। तेज गर्मी में ब्लड प्रेशर भी बढ़ रहा है।

गर्मी के कारण लोग डिहाइड्रेशन का शिकार हो रहे हैं, इससे उनको चक्कर आना, जी मिचलाना और सिरदर्द की शिकायत हो रही है।सातकंता से ही बीमारियों से बचा जा सकता है।

प्रथम पेज का शेष शेरय बाजार पर सरकार की ...

निकालती है। भाजपा को जो आंतरिक एगिजेंट पोल था, उसमें उसे 220 सीटें मिल रही थीं। आंतरिक एजेंसियों ने सरकार को 220 से 230 सीटों के मिलने के बारे में बताया था। स्टॉक मार्केट तीन जून को सारे रिकॉर्ड तोड़ देता है और 4 जून को धड़ाम हो जाता है। राहुल ने कहा, ये दिखाता है कि कोई न कोई घपला हो रहा है। हजारों करोड़ रुपये यहां निवेश हुए। स्टॉक मार्केट गिरने के बाद 20 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। ये जो आप देख रहे हैं वह स्टॉक मार्केट के इतिहास का सबसे बड़ा नुकसान है।

राहुल गांधी ने प्रेसवार्ता कर सवाल किया कि प्रधानमंत्री ने देश की जनता को निवेश की सलाह क्यों दी? क्यों गृह मंत्री ने उन्हें स्टॉक खरीदने का आदेश दिया? दोनों को इंटरव्यू किए गए। ये अदानी जी के चैनल को दिए गए। उन पर पहले ही सेबी की जांच बैठी है तो उस पर जांच होनी चाहिए। मोदीजी के ये जो फेक इन्वेस्टर हैं और जो विदेशी निवेशक हैं।

सीआईएसएफ जवान ने ...

रही। इसको लेकर जब बहस हो गई। इसके बाद आरोप लगा रहे हैं कि सीआईएसएफ की महिला कर्मी ने उन्हें थपड़ लगा दिया। हालांकि एयरपोर्ट से सीईओ की ओर से जानकारी जुटाई जा रही है।

गर्मी और ट्रेनों की लेटलतीफी से यात्री हो रहे बीमार

रायपुर/नवप्रदेश। गर्मी के मौसम में ट्रेन से यात्रा करना यात्रियों के लिए महंगा होता जा रहा है, क्योंकि लंबी दूरी की ज्यादातर ट्रेनें पॉंच से दस घंटे की देरी से आ और प्रस्थान कर रही हैं।

आजाद हिंद एक्सप्रेस अधिकतम 20 से 25 घंटे की देरी से आ और जा रही है। यह सिलसिला पिछले कई दिनों से चल रहा है। जिसके कारण सामान्य श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्री गर्मी से बीमार हो रहे हैं. स्टेशन पर हर दिन कोई न कोई यात्री बीमार हो रहा है. स्टेशन पर ट्रेन के इंजिन में काफ़ी भीड़ है. हालात ऐसे हैं कि प्लेटफ़ॉर्म पर खड़ा होना भी मुश्किल हो रहा है.

गर्मी की छुट्टियों के चलते सभी एक्सप्रेस ट्रेनें खचाखच भरी चल रही हैं। देर होने के कारण लोगों को दोपहर से देर रात तक वेंटिंग हॉल या प्लेटफ़ॉर्म पर सोना पड़ता है। परिवार के साथ आए लोगों में सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को हो रही है। रेलवे पिछले कई महीनों से ट्रेनों को समय पर नहीं चला पा रहा है. यात्रियों को स्टेशन पर चार देरी से रेलवे स्टेशन पहुंचें।

एक्सप्रेस ट्रेनों के समय पर नहीं पहुंचने से यात्रियों में आक्रोश



इन ट्रेनों को रोजाना देरी का सामना करना पड़ता है

शुक्रवार की तरह शनिवार को सुबह की आजाद हिंद एक्सप्रेस 13 घंटे, हावड़ा-मुंबई दूरतो लौ घंटे, मेल चार घंटे, एक्सप्रेस समर स्पेडल नौ घंटे, योग नगर से श्रेष्ठेश जाने वाली उत्कल एक्सप्रेस चार घंटे देरी से पहुंची।. घंटे, उत्कल एक्सप्रेस चार घंटे, जबलपुर-संतरागढ़ी एक्सप्रेस 3.30 घंटे, मिश्रापातनम-अमृतसर हीराकुंड एक्सप्रेस 3.30 घंटे, शालीमार-मुंबई चार घंटे, पुरी उजना स्पेशल 20 घंटे, रौनी गोंदिया एक्सप्रेस सात घंटे और मुंबई हावड़ा दूरतो एक्सप्रेस लंबी देरी के कारण रद्द कर दी गई। है

अभी नहीं मिलेगी कोई राहत

ट्रेनों के परिचालन की स्थिति से साफ़ है कि यात्रियों को कोई राहत नहीं मिलेगी. यात्रियों का कहना है कि भीषण गर्मी में घर से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है, वहीं स्टेशन पहुंचकर ट्रेन का इंतजार करना भारी पड़ रहा है. आठ से 10 घंटे का साफ़ 15 से 20 घंटे में पूरा होने से हजारों यात्री परेशान हैं। सुबह की ट्रेनें शाम तक रायपुर स्टेशन पहुंच रही हैं।

और दिल्ली से आने वाली ट्रेनें घंटों देरी से रेलवे स्टेशन पहुंचें।

एक्सप्रेस ट्रेनों के समय पर नहीं पहुंचने से यात्रियों में आक्रोश

बढ़ रहा है. भीषण गर्मी में भी इस बात को लेकर अधिक आक्रोश है कि रेल व्यवस्था बेपर्दा हो गयी है. स्टेशन पर गर्मी से बचाव की

की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, अगले ओलंपिक में पदक लाना हमारा लक्ष्य होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जल स्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए चलाये जा रहे जल-गंगा संवर्धन अभियान के दूसरे दिन भोपाल के छोटे तालाब की स्वच्छता के लिए श्रमदान करने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल सबको अपने में समाहित करने वाली संस्कृति का शहर है। गत साठ-सत्तर वर्ष में देश के विभिन्न भागों से यहां आये लोगों ने भोपाल को राजधानी का स्वरूप दिया और विभिन्न भागों से आई धाराएं यहीं समाहित हुईं।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि प्रदेश की जीवन रेखा नर्मदा नदी की पवित्रता और दिव्यता बनाए रखना जरूरी है। प्रदेश के जिन नगरीय निकायों की गंदगी नर्मदा नदी में जा रही है उसे एक साल के अंदर बंद करने के निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि नर्मदा नदी को प्रदूषण मुक्त करने के उद्देश्य से नर्मदा नदी के दोनों ओर दो-दो किलोमीटर क्षेत्र तक के किसानों को ऑर्गेनिक खेती के लिए प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि नागरिक क्षेत्र में जो भी कुंआ-तालाब-बावड़ी आज जलस्रोत हैं, उनकी साफ-सफाई व संरक्षण के लिए नगरीय निकाय, स्थानीय जनता के सहयोग से गतिविधियां संचालित करेंगे।



सोना-चांदी की कीमतें फिर बढ़ीं

नईदिल्ली। लोकसभा चुनाव के परिणाम के बाद सोने चांदी के वायदा कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। आज लगातार दूसरे दिन दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। खबर लिखे जाने के समय सोने के वायदा भाव 73 हजार रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 91,700 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है।

सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट आज 361रुपये की तेजी के साथ 72,879 रुपये के भाव पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 407 रुपये की तेजी के साथ 72,925 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 72,962 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 72,879 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने पिछले महीने 74,442 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की



शुरूआत आज तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रैक्ट आज 395 रुपये की तेजी के साथ 90,839 रुपये पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 1,234 रुपये की तेजी के साथ 91,678 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 91,698 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 90,839 रुपये के भाव पर दिन

निचला स्तर छू लिया। पिछले महीने चांदी के वायदा भाव ने 96,493 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। लेकिन बाद में इसके भाव चढ़ गए। चांदी की शुरुआत तेज ही रही। कॉमिक्स पर सोना 2,375.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 2,375.50 डॉलर प्रति

औंस था। हालांकि खबर लिखे जाने के समय यह 14.40 डॉलर की तेजी के साथ 2,389.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमिक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.14 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला क्लोजिंग प्राइस 30.07 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 0.54 डॉलर की तेजी के साथ 30.61 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

सैमसंग इंडिया ने एआई फीचर्स के साथ ओडिसी ओएलईडी, व्यूफिनिटी और स्मार्ट मॉनिटर्स के 2024 मॉडल्स लॉन्च किए



गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स बांड, सैमसंग ने आज अपने 2024 लाइनअप में ओडिसी ओएलईडी गेमिंग मॉनिटर, स्मार्ट मॉनिटर्स और व्यू फिनिटी मॉनिटर्स लॉन्च किए हैं। इन ग्रांडट्रैट्स में उपभोक्ताओं को एक नया अनुभव देने के लिए कई फीचर्स हैं, जिनमें नई एआई क्षमताएं शामिल हैं। ओडिसी ओएलईडी प्रतिशत 6 और स्मार्ट मॉनिटर लाइनअप बेहतर एंटरटेनमेंट फीचर्स के साथ ग्राहकों को खुश करते हैं, जबकि एआई पावर्ड स्मार्ट मॉनिटर रूठ और व्यूफिनिटी लाइनअप वर्कस्टेशन के लिए बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं।

सैमसंग इंडिया के कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स

एंटरप्राइज बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट पुनीत सेठी ने कहा, ओडिसी ओएलईडी गेमिंग मॉनिटर, व्यूफिनिटी और स्मार्ट मॉनिटर्स के हमारे 2024 लाइनअप के जरिए, हम उपभोक्ताओं के अनुभव को नई ऊंचाई पर ले जाना चाहते हैं। एआई तकनीक और मल्टी-डिवाइस अनुभव से संचालित, ओडिसी ओएलईडी गेमिंग मॉनिटर और स्मार्ट मॉनिटर विजुअल एक्सिसेलेंस और क्रिएटिविटी को नए सिरे से परिभाषित करेंगे। ओएलईडी सेफमाई+ तकनीक से लैस, यह दुनिया की पहली बर्न-इन प्रोटेक्शन तकनीक है, जो ओएलईडी गेमिंग मॉनिटर को इमेज बर्निंग से बचाती है।

खेल, मनोरंजन

ओमान के खिलाफ चमके स्टोइनिस

विश्व कप में 50 प्लस स्कोर और तीन विकेट चटकाने वाले चौथे खिलाड़ी बने

नई दिल्ली। ओमान के खिलाफ मार्कस स्टोइनिस ने जलवा बिखेरा। उन्होंने पहले बल्ले से धमाल बचाया, बाद में गेंद से विरोधी टीम के बल्लेबाजी क्रम की बखिया उधेड़ी। इस मैच में स्टार खिलाड़ी ने 67 रनों की नाबाद पारी खेली। उनके बल्ले से दो चौके और छह छक्के निकले। वहीं, स्टोइनिस ने तीन विकेट भी हासिल किए। इसी के साथ वह विश्व कप मैच में 50+ स्कोर और तीन विकेट चटकाने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए। टी20 विश्व कप 2024 के तहत गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया और ओमान के बीच मुकाबला खेला गया। इस मैच में मिचेल मार्श की टीम ने ओमान को 39 रनों से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 164 रन बनाए। जवाब में ओमान 20 ओवर में नौ विकेट पर 125 रन ही बना सकी। इस मैच में डेविड वॉर्नर और मार्कस स्टोइनिस ने अर्धशतक लगाए।

जानिक सिनर फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में, बनेंगे नंबर वन

पेरिस। इटली के जानिक सिनर 10वीं सीड किंगोर दिमित्रीव को लगातार सेटों में 6-2, 6-4, 7-6(3) से हराकर फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं और इसके साथ ही उनका विश्व का नंबर एक खिलाड़ी बनना तय हो गया है क्योंकि सर्बिया के नोवाक जोकोविच चोट के कारण टूर्नामेंट से हट गए हैं।सिनर को नंबर एक पोजीशन हासिल करने और जोकोविच की जगह लेने के लिए फ़ाइनल में पहुंचने की जरूरत थी लेकिन उनके क्वाटरफ़ाइनल में दिमित्रीव के खिलाफ जीत हासिल करने और जोकोविच के टूर्नामेंट से हट जाने से उनका काम आसान हो गया।जोकोविच को दाएं घुटने की चोट के कारण कैम्पेर रुड के खिलाफ क्वाटरफ़ाइनल मुकाबले से हटना पड़ा। इटली के सिनर इस तरह शीर्ष स्थान पर पहुंचने वाले 29वें खिलाड़ी और अपने देश के पहले खिलाड़ी बनेंगे। सिनर, विश्व रैंकिंग में नंबर एक बनने

वाले इटली के पहले खिलाड़ी बनेंगे, का सेमीफाइनल में कार्लोस अल्काराज या स्टेफानोस सितसिपास से मुकाबला होगा।सिनर ने इस साल के शुरू में जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन के रूप में अपना पहला मेजर खिताब जीता था और दिमित्रीव के खिलाफ दो घंटे 30 मिनट तक चले क्वाटरफ़ाइनल में पूरी तरह नियंत्रण में दिखे। 22 वर्षीय सिनर ने मैच में 29 विनर्स लगाए और चार बार दिमित्रीव की सर्विस तोड़कर उनके खिलाफ करियर मुकाबलों में 4-1 की बढ़त बना ली। सिनर का इस वर्ष ग्रैंड स्लैम में 12-0 का रिकॉर्ड हो गया है। अपने पहले फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में सिनर का कार्लोस अल्काराज या स्टेफानोस सितसिपास से मुकाबला होगा। करियर मुकाबलों में सिनर का अल्काराज के खिलाफ 4-4 का रिकॉर्ड है जबकि सितसिपास के खिलाफ वह 3-6 से पिछड़े हुए हैं।

सेंट जॉन्स। इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली रिचर्ड्स-बॉथम सीरीज के लिए वेस्टइंडीज ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। टीम की कप्तान फ्रेग ब्रेथवेट के पास है। वहीं जेसन होल्डर जैसे खतरनाक ऑलराउंडर की टीम में वापसी हुई है।तेज गेंदबाज अल्लजारी जोसेफ टीम के उप-कप्तान होंगे। टीम से कई खिलाड़ियों को बाहर का रास्ता भी दिखाया गया है। वहीं कुछ युवा खिलाड़ियों को मौका मिला है।23 वर्षीय सलामी बल्लेबाज मिकाइल लुइस को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। वेस्टइंडीज के पूर्व अंडर-19 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने लीवार्ड आल्लैन्ड्स हरिकेंस के लिए अपने पहले प्रथम श्रेणी सत्र में 48.71 की औसत से 682 रन बनाए।अगर लुइस इंग्लैंड में वेस्टइंडीज के

लिए डेब्यू करते हैं, तो वे सेंट किट्स के पहले खिलाड़ी बन जाएंगे, जो टेस्ट कैप पहनेंगे।चोट और एक छोटे ब्रेक के बाद वापसी कर रहे होल्डर टीम में कई तेज गेंदबाजी विकल्पों में से एक हैं। उनके साथ उप-कप्तान जोसेफ, रोच, सील्स और शमर जोसेफ इस टेस्ट टीम में शामिल हैं।19 वर्षीय तेज गेंदबाज ईसाई थोर्न एक डेवलपिंग प्लेयर के रूप में टीम के साथ टैवल करेगे, जिन्होंने अपने पहले प्रथम श्रेणी सत्र में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। इस दौरान उन्होंने अपने पहले आठ मैचों में 16.29 की औसत से 31 विकेट लिए थे।टीम टोनब्रिज स्कूल में प्रशिक्षण शिबिर के लिए 23 जून को इंग्लैंड पहुंचेगी। उसके बाद 4 जुलाई से बकिंगहम में 4 दिवसीय अभ्यास मैच खेला जाएगा।

इंग्लैंड के साथ सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम का ऐलान

सेंसेक्स 450 अंक, निफ्टी 22,750 के ऊपर

मुंबई। गुरुवार को शेयर बाजार हरे निशान में कारोबार करता दिख रहा है। बाजार में रिकवरी जारी है। बीएसई सेंसेक्स 400 अंक के उछाल के साथ 74,870 के आसपास कारोबार करता दिखा। वहीं, एनएसई निफ्टी 50 135 अंक की तेजी के साथ 22,750 के ऊपर ट्रेड करता दिखा।

बाजार में तेज रिकवरी लगातार दूसरे दिन भी देखने को मिल रही है। सुबह 11 बजे करीब, बीएसई सेंसेक्स 890 अंक से ऊपर या 1.20 प्रतिशत बढ़कर 75,275 के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, एनएसई का निफ्टी 50 278 अंक या 1.23 प्रतिशत बढ़कर 22,898 के स्तर पर पहुंच गया।

गुरुवार को भारतीय शेयरों में तेजी देखी गई क्योंकि निवेशकों की नजर मोदी 3.0 पर है। 5 जून को सूचकांक में तेजी देखने को मिली थी, जिसका असर आज भी जारी है।

बीएसई सेंसेक्स 303 अंक या 0.41 प्रतिशत बढ़कर 74,685.68 के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, एनएसई का निफ्टी 50 76 अंक या 0.34 प्रतिशत बढ़कर 22,696.40 के स्तर पर पहुंच गया।

एनटीपीसी, एसबीआई टॉप



गेनर्स में रहे जबकि नेस्ले, एचयूएल बीएसई पर आज के टॉप लुजर्स रहे। इसी तरह, एनएसई पर, एनटीपीसी, एसबीआई टॉप गेनर्स में रहे जबकि एचयूएल और ब्रिटानिया टॉप लुजर्स बने।

व्यापक बाजारों में भी उछाल आया। निफ्टी स्मॉलकैप करीब 2.5 फीसदी उछला जबकि मिडकैप 1.50 फीसदी से ज्यादा उछला। क्षेत्रवार, निफ्टी रियल्टी 2.98 प्रतिशत की बढ़त के साथ आगे रहा, इसके बाद पीएसयू बैंक (2.62 प्रतिशत ऊपर), मीडिया (2.02 प्रतिशत ऊपर) का स्थान रहा।भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को आई रिकवरी के बाद शेयर मार्केट में आज यानी गुरुवार को भी तेजी देखने को मिल सकता है। बाजार के प्रमुख इंडेक्स हरे निशान में दिन की शुरुआत कर सकते हैं। बाजार में ये तेजी

एनडीए की सरकार बनने की खबर के बाद देखने को मिली।सुबह 8-30 बजे के करीब, गिफ्ट निफ्टी 22,670 के आसपास कारोबार करता दिखा।एशियाई बाजारों में यूरो दर में कटौती की उम्मीद से निवेशकों का विश्वास बढ़ा। जापान का निक्केई 1.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ बढ़त में रहा। कोस्मी सार्वजनिक अवकाश के कारण बंद है।उच्च मुद्रास्फीति के कारण न्यू1 में ऑस्ट्रेलिया की जीडीपी ग्रोथ धीमी होने के बावजूद, एसएसएक्स 0.51 प्रतिशत अधिक पर कारोबार करता दिखा।पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिकी बाजार सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 में 1.18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह एक नए इंट्राडे उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह, नैसडेक कंपोजिट 1.96

प्रतिशत बढ़कर एक नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया, जबकि डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.25 प्रतिशत चढ़ गया।घरेलू बाजार की बात करें तो, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शेयरों की बिकवाली जारी रखी और 5,656.26 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। इसके विपरीत, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 5 जून को 4,555.08 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। लोकसभा चुनाव के नतीजों के दौरान लक्ष्यपथ होकर धराशाई शेयर बाजार बुधवार (5 जून) फिर से दम भरने लगा। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 3.20 फीसदी यानी 2303.19 अंकों की बढ़त के साथ 74,382.24 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी -50 में भी कल 3.36त का उछाल देखने को मिला। यह 735.85 अंकों की बढ़त बनाते हुए 22,620.35 पर बंद हुआ।

एप्पल को पछाड़कर एनवीडिया बनी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी

मुंबई। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया का मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर को पार कर गया है। इस कारण एप्पल को पछाड़कर एनवीडिया दुनिया की दूसरी सबसे वैल्यूएबल कंपनी बन गई है। आखिरी कारोबारी सत्र में एनवीडिया के शेयर में 5.16 प्रतिशत की तेजी आई और कंपनी का मार्केट कैप 3.01 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया। एप्पल के शेयर में 0.78 प्रतिशत की बढ़त हुई है और उसका मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर पर है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चिप की मांग बढ़ने के कारण एनवीडिया के शेयर में लगातार तेजी बनी हुई है। पिछले एक साल में यह 200 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दे चुका है।सॉफ्टवेयर दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट 3.15 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है। यह पहला मौका



नहीं है, जब एनवीडिया की मार्केट कैप एप्पल से ज्यादा है।इससे पहले 2002 में भी ऐसा हो चुका है। उस समय दोनों कंपनियों की वैल्यूएशन 10 बिलियन डॉलर से कम थी।एनवीडिया के शेयर में तेजी की वजह एआई के इस्तेमाल में बढ़त होना है। इससे कंपनी द्वारा बनाई जाने वाली चिप की मांग पूरी दुनिया में बढ़ गई है। हाल ही में कंपनी ने हर साल नई एआई चिप डिजाइन करने का फैसला किया था।कंपनी के सीईओ

जेन्सेन हुआंग जनरेटिव एआई को नई औद्योगिक क्रांति बता चुके हैं। उन्होंने बताया कि एनवीडिया एआई से आने वाले बदलाव में बड़ी भूमिका निभाएगी।एप्पल को इस साल की शुरुआत से कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा रहा है। चीन में आईफोन की बिक्री घट रही है और वहीं, यूरोपीय यूनियन में मांग में ज्यादा सुधार नहीं है। इसके कारण कंपनी के शेयर की कीमत में भी उछाल नहीं देखने को मिला है।

ईशान खट्टर के साथ काम करना चाहती हैं अनुष्का सेन

अनुष्का सेन का नाम टीवी जगत की उन अभिनेत्रियों की सूची में शामिल है, जिन्होंने छोटी उम्र में इंडस्ट्री में खास मुकाम हासिल किया है।अनुष्का अभी 21 साल की हैं और वे टीवी शो से लेकर वेब सीरीज और फिल्मों तक में अपनी अदाकारी का तड़का लगा चुकी हैं।अब अनुष्का ने अभिनेता ईशान खट्टर के साथ काम करने की इच्छा जताई है। ईशान उनके पसंदीदा अभिनेता हैं।अनुष्का ने बताया कि उन्हें ईशान की अदाकारी बहुत पसंद है।बातचीत में अनुष्का ने दिग्गज अभिनेता रणवीर सिंह की भी खूब तारीफ की।उन्होंने कहा, ऋणवीर सिंह की ऊर्जा बहुत अलग है। हे भगवान, क्या ऊर्जा है। मुझे बहुत अच्छा लगता है जब वह अपनी एनर्जी के साथ दिखाई देते हैं और मुझे वह सफेद कपड़ों में बहुत अच्छे लगे हैं। मुझे यह बहुत पसंद है।-अनुष्का अब तक क्रेजी कुक्कड़ फैमिली, लिहाफन-द क्लिफ्ट और सम्मादिडी जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।अनुष्का ने साल 2009 में आया टीवी शो यहां में घर घर खेली के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई। हालांकि, अनुष्का को पहचान बालवीर



से मिली, जो साल 2012 में आया था।झांसी की रानी, अपना टाइम भी आएगा, देवों के देव...महादेव और इंटरनेट वाला लव जैसे टीवी शो में नजर आ चुकी हैं।अनुष्का रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 11 में भी दिखाई दी थीं।

बॉक्स ऑफिस पर मिस्टर एंड मिसेज माही की कमाई में गिरावट जारी

जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक कमाई कर रही है।रूही के बाद यह जाह्नवी-राजकुमार के बीच दूसरा सहयोग है और दोनों की शानदार केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया है।वीकेंड पर बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया प्रदर्शन करने के बाद अब कामकाजी दिनों में मिस्टर एंड मिसेज माही की कमाई की रफ्तार धीमी हो गई है।आइए जानते हैं पांचवें दिन फिल्म के खাতে में कितने करोड़ रुपये आए। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनल्लक के मुताबिक, मिस्टर एंड मिसेज माही ने रिलीज के पांचवें दिन यानी मंगलवार को 2.10 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 21.10 करोड़ रुपये हो गया है।मिस्टर एंड मिसेज माही ने 6.75 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की थी। दूसरे दिन इस फिल्म ने 4.60 करोड़ रुपये



और तीसरे दिन 5.50 करोड़ रुपये कमाए।चौथे दिन यह फिल्म 2.15 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। फिल्म में आप देख पाएंगे कि राजकुमार राव इस फिल्म में महेंद्र के किरदार में नजर आ रहे हैं। जिन्होंने बचपन से ही क्रिकेटर बनने के सपना देखा होता है, लेकिन पिता नहीं चाहते कि वह क्रिकेट खेलें।इस वजह से उन्हें अपने सपने को छोड़ना पड़ा, लेकिन ये सपना वह अपना पत्नी जाह्नवी कपूर (महिमा) से पूरा करवाते हैं।

■ न्यूज गैलरी

मानव संसाधन का समुचित उपयोग भारत को विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाएगा - उप मुख्यमंत्री शुक्ल



भोपाल/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि भारत आज विश्व की सबसे तेज गति से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में आधारभूत संरचनाएँ, कनेक्टिविटी, शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा, मैनुफैक्चरिंग, कृषि सहित समस्त क्षेत्रों में सतत विकास हो रहा है। मेक इन इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया, स्किल इंडिया के माध्यम से हर सेक्टर देश के समस्त क्षेत्रों में विकास की गंगा बह रही है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव संसाधन का समुचित उपयोग देश में आर्थिक क्रांति लाएगा और वर्ष 2047 तक भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विभिन्न कर्पनियों में चयनित छात्रों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने छात्रों को शुभकामनाएँ दी और कहा कि पूरे मनोयोग से काम करें। देश के लिए समाज के लिए अपने कर्तव्यों को याद रखें। देश के विकास में भागीदार बने। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि समय की मांग अनुसार शिक्षित युवाओं को वैश्विक आवश्यकताओं के लिए तैयार करने, योग्य लोगों को उनकी योग्यतानुसार रोज़गार उपलब्ध करने के लिए शासन के साथ देश के उद्यमी प्रयासरत हैं। उन्होंने युवा वर्ग देश के विकास को समझ रहा है और विकास की राह में सहभागी बन रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मशहूर शायर निदा फाजली की रचना «सफ़र में धूप तो होगी जो चल सको तो चलो, सप्ती है भीड़ में तुम भी निकल सको तो चलो, किसी के वास्ते राहें कहां बदलती हैं, तुम अपने आप को खुद ही बदल सको तो चलो» का उदाहरण देते हुए छात्रों को प्रेरित किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत और सतत प्रयास की ज़रूरत है। चैयरमैन सागर रूपा सुधीर अग्रवाल, एमडी सिद्धार्थ अग्रवाल सहित सागर इंस्टिट्यूट रूपा के शिक्षक, छात्र और छात्रों के परिजन उपस्थित थे।

भोपाल सहित अन्य शहरों में स्मार्ट मीटर स्थापना की तैयारी मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अंतर्गत कुल 41 लाख 35 हजार 791 स्मार्ट मीटर लगेंगे

भोपाल/नवप्रदेश। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि केन्द्र सरकार की आर.डी.एस.एस. योजना में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र में अब स्मार्ट मीटर लगाने जा रहे हैं। कंपनी द्वारा कुल 41 लाख 35 हजार 791 स्मार्ट मीटर स्थापना के कार्य स्वीकृत हुए हैं। इसके तहत कंपनी क्षेत्र में समस्त वितरण-ट्रांसफार्मरों (कृषि श्रेणी को छोड़कर) एवं कृषि श्रेणी के अलावा समस्त उपभोक्ताओं के मीटर, स्मार्ट मीटरों से बदले जाने हैं।

स्मार्ट मीटर प्रोजेक्ट के पार्ट-1 में कुल 9 लाख 77 हजार 48 विद्युत-उपभोक्ताओं (जिसमें समस्त उच्चदाब उपभोक्ता, औद्योगिक उपभोक्ता एवं ब्लाक-स्तर व ऊपर के शासकीय कार्यालय सम्मिलित हैं), 9 हजार 477 विद्युत उपकेन्द्र, फीडरों एवं 1 लाख 55 हजार 515 वितरण ट्रांसफार्मरों पर स्मार्ट मीटर स्थापित किए जाने हैं। विद्युत उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर स्थापना का यह कार्य प्रमुख रूप से भोपाल, सीहोर, विदिशा, नर्मदापुरम, ग्वालियर, दतिया, भिण्ड, मुर्ना, गुना एवं शिवपुरी जिलों में किया जाना है।

इस प्रोजेक्ट की शुरुआत भोपाल (शहर) वृत्त से की जा रही है, जहां पर कुल 2 लाख 08 हजार 128 स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। एएमआईपीएस द्वारा 13 अक्टूबर 2024 तक कम से कम 57 हजार 102 स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। इसके बाद हर माह कम से कम 54 हजार 247 स्मार्ट मीटर लगाकर 13 जून 2026 तक 11 लाख 42 हजार 40 स्मार्ट मीटर लगाये जाना है।

स्मार्ट मीटर प्रोजेक्ट के तहत सर्वप्रथम 11 के.न्ही. फीडर वार कंज्यूमर-इंटेक्विजमें कार्य किया जाएगा। जिसके तहत सर्वेक्षणों द्वारा प्रत्येक वितरण-ट्रांसफार्मर एवं उससे जुड़े विद्युत कनेक्शनों का समस्त विवरण मोबाइल-एप पर एकत्र किया जाएगा। सर्वेक्षण के दौरान विद्युत-कनेक्शनों के जी.पी.एस. लोकेशन के साथ-साथ मीटर और सर्विस लाइन की वस्तुस्थिति भी मौके पर जांची जाएगी। उपभोक्ता प्रतिष्ठानों में मीटर स्थापना के लिए आश्यक होने पर सर्विस लाइन बदलने एवं मीटर शिफ्टिंग का कार्य भी किया जाएगा।

स्मार्ट मीटर के फायदे
सुरक्षा निधि से छूट एवं पहले से जमा सुरक्षा-राशि से पहला रिचार्ज। मौजूदा टैरिफ के अनुसार घरेलू एवं गैर घरेलू (व्यावसायिक) बिल में 25 पैसे प्रति यूनिट की छूट तथा ऊर्जा-प्रभार से जुड़े अन्य प्रभारों (यथा विद्युत-शुल्क, टी.ओ.डी. सरचार्ज,

अच्छे मानव संसाधन के निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका : प्रमुख सचिव

प्राचार्य व शिक्षकों को क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान और पिरामल फाउंडेशन के विशेषज्ञों ने दिया प्रशिक्षण

भोपाल/नवप्रदेश। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ई.एम.आर.एस.) भोपाल में गुरुवार को जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित ईएमआरएस के बोर्ड परीक्षा परिणामों की समीक्षा और प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश के 26 जिलों के 40 प्राचार्य और 80 शिक्षकों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान (आर.आई.ई.) के विषय विशेषज्ञों और पिरामल फाउंडेशन के सदस्यों ने प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य डॉ. ई. रमेश कुमार ने कार्यशाला को संबोधित किया। उन्होंने कहा

केन्द्रीय संयुक्त सचिव सत्यार्थी ने किया सायबर तहसील का निरीक्षण

भोपाल/नवप्रदेश। केन्द्रीय संयुक्त सचिव भूमि संसाधन श्री कुणाल सत्यार्थी ने आज नई दिल्ली से भोपाल पहुँचकर प्रमुख राजस्व आयुक्त कार्यालय स्थित सायबर तहसील व्यवस्था का निरीक्षण किया। प्रमुख राजस्व आयुक्त श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव ने मध्यप्रदेश में राजस्व विभाग द्वारा प्रारंभ की गई सायबर तहसील व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने विभाग द्वारा शुरू किये गये आईटी इनिशियेटिव की जानकारी भी दी। केन्द्रीय संयुक्त सचिव श्री सत्यार्थी ने सायबर तहसील प्रक्रिया आरसीएमएस सहित राजस्व विभाग के अन्य पोर्टल भू-अभिलेख, सारा एप पर प्रदान की जा रही सेवाओं का अवलोकन किया। श्री सत्यार्थी ने मध्यप्रदेश के सायबर तहसील प्रोजेक्ट की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि यह बहुत अच्छा इनिशियेटिव है। राजस्व आयुक्त कार्यालय में सायबर तहसील का अवलोकन करने के बाद केन्द्रीय संयुक्त सचिव श्री सत्यार्थी ने शाहगंज पहुँचकर डिजिटाइजेशन प्रोजेक्ट के तहत नगरीय सर्वे के पायलट प्रोजेक्ट के रूप में व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

प्रदेश की 6500 खदानों की होगी जियो टैगिंग अवेध खनन और भंडारण पर रखी जाएगी सैटेलाइट से नजर

भोपाल/नवप्रदेश। खनिज संसाधन विभाग अवैध उत्खनन एवं भंडारण की रोकथाम के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी (जियो स्पेटियल टेक्नोलॉजी) का उपयोग कर खनन निगरानी प्रणाली विकसित कर रहा है। इसमें प्रदेश की सभी खदानों का जियो टैग कर सैटेलाइट इमेज एवं रिमोट सेंसिंग टेक्नोलॉजी से निगरानी की जाएगी। मध्य प्रदेश में खदानों में अवैध खनन को रोकने और अवैध भंडारण के बाद बिक्री कर मोटा मुनाफा कमाने वालों पर सख्त कार्यवाही होगी। प्रदेश की 6500 खदानों का जियो टैगिंग कर खनन के स्टॉक पर सैटेलाइट इमेज से नजर रखी जाएगी। इसके लिए खनन और स्टॉक का इमेज से सत्यापन किया जाएगा। इसमें संबंधित खदान संचालक को नोटिस भेजा जाएगा और सटीक सबूत एकत्रित करने के लिए ड्रोन से सर्वे किया जाएगा। इसमें दोषी के खिलाफ पैमल्टी की कार्यवाही या ठेका निरस्त करने की कार्रवाई होगी। खनिज संसाधन विभाग अवैध उत्खनन एवं भंडारण की रोकथाम के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी (जियो स्पेटियल टेक्नोलॉजी) का उपयोग कर खनन निगरानी प्रणाली विकसित कर रहा है। इसमें प्रदेश की सभी खदानों का जियो टैग कर सैटेलाइट इमेज एवं रिमोट सेंसिंग टेक्नोलॉजी से निगरानी की जाएगी। इसमें सभी खदानों की जियो मैपिंग की जाएगी और खनन का परिवहन करने वाले वाहनों को जीपीएस तकनीक से जोड़ा जाएगा।



इसके लिए मध्य प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएसईडीसी) की सहायता से खनिज विभाग सॉफ्टवेयर डेवलप कर रहा है। सॉफ्टवेयर सतत रूप से सैटेलाइट इमेज का विश्लेषण कर सिस्टम से राज्य एवं जिला प्रशासन को उत्खनन का अलर्ट भेजेगा। स्थानीय अमला मोबाइल एप के माध्यम से परीक्षण/ निरीक्षण कर रिपोर्ट पोर्टल/ मोबाइल एप पर दर्ज कर प्रकरण रजिस्ट्र किया जाएगा। इसके बाद आवश्यकता होने पर खदान या उसके बाहर ड्रोन सर्वे करवाकर वॉल्यूमेट्रिक एनालिसिस कर वास्तविक उत्खनित मात्रा का पता लगाकर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही कर जुर्माना लगाने की कार्यवाही की जाएगी। इस पूरी तकनीक पर प्रतियर्ष डेड से दो करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह पूरा सिस्टम दिसंबर 2024 तक कार्य करने लगेगा।

प्रदेश में 6500 खदानें स्वीकृत

विभाग द्वारा मुख्य एवं गौण खनिजों की कुल 6500 खदानें स्वीकृत हैं, जिसमें से मुख्य खनिज की 667 एवं गौण खनिज की 5895 खदानें स्वीकृत हैं। इसमें से लगभग 395 खदानें मुख्य खनिज की एवं 3580 खदानें गौण खनिज की संचालित हैं। मुख्य खनिज में मुख्य रूप से हीरा, कोयला, आयरन ओर, मैंगनीज ओर, चूनापत्थर, रॉक फॉस्फेट, बॉक्साइट एवं कॉपर की खदानें शामिल हैं। इसके अलावा गौण खनिजों में गिट्टी, बोल्डर, रेत, मुरम, डोलेमोसाइट, लेटराइट एवं अन्य खनिज शामिल हैं।

इस वर्ष 12 हजार करोड़ राजस्व का लक्ष्य

खनिज विभाग ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में विभाग ने वार्षिक लक्ष्य 9500 करोड़ के विरुद्ध 10 हजार 66 करोड़ करीब 106 प्रतिशत अधिक

लिये क्या कदम उठाये गये? इस पर भी चर्चा की जानी चाहिए। उधर बीजेपी सरकार के मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस पर तर्ज कसते हुए कहा है कि कांग्रेस अपने अंतर्कलह में फंसी है, इसलिए उसकी ऐसी दुर्दशा हो रही है।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष तथा कांग्रेस विधायक अजय सिंह ने प्रदेश में कांग्रेस को मिली करारी हार पर आश्चर्य व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि आखिर इस हार के पीछे प्रमुख कारण क्या हैं, इसकी व्यापक स्तर पर समीक्षा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस हार से कांग्रेस के कार्यकर्ता हताश और निराश हैं जो कि भविष्य के लिये ठीक नहीं है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हाई



कमान अब ये शीघ्र ही तय करें कि आगे मध्य प्रदेश के लिए किस तरह के रणनीति बनाई जाये?

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ तथा दिग्विजय सिंह की भूमिका पर भी सवालिया निशान उठाते हुए कहा

लक्ष्य की प्राप्ति की है। राजस्व प्राप्ति के मुख्य स्रोत मुख्य खनिज हैं, जिससे विभाग को लगभग 75 प्रतिशत राजस्व की प्राप्ति होती है। इस वित्तीय वर्ष में विभाग ने 12 हजार करोड़ रुपये राजस्व का लक्ष्य तय किया है।

70.31 करोड़ रुपये जुर्माना वसूला

खनिज विभाग ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में खनिज साधन विभाग के स्थानीय अमले ने अवैध उत्खनन/परिवहन/भंडारण के कुल 9010 प्रकरण दर्ज कर रुपये 70.30 करोड़ की राशि जुर्माने के रूप में वसूली। अवैध उत्खनन/ परिवहन/ भंडारण के मामले मुख्य रूप से गौण खनिजों में ही दर्ज होते हैं।

पूरे प्रदेश में दिसंबर तक लागू होगा सिस्टम

खनिज साधन विभाग के प्रमुख सचिव निंकुज श्रीवास्तव ने बताया कि दिसंबर तक खदानों की मॉनीटरिंग के लिए नई तकनीक पूरे प्रदेश में लागू हो जाएगी। इससे अवैध खनन रोकने के साथ ही सरकार के राजस्व की चोरी पर भी लगाम लगेगी। इसमें सॉफ्टवेयर स्वीकृत खनन की अनुमति से अधिक खनन या अवैध भंडारण या परिवहन होने पर उसका विश्लेषण कर 95 से 99 प्रतिशत तक सटीक जानकारी देगा।

कि जनजातीय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ खेल आदि गतिविधियों से उनका सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास भी हो। इन विद्यार्थियों के करियर बनाने में भी हमारी भूमिका होनी चाहिए। हमें पढ़ाई और करियर विकल्पों के बीच ब्रिज बनने का कार्य करना चाहिए। जनजातीय विद्यार्थियों के लिए नियमित केरियर गाइडेंस और मोटिवेशनल कक्षाओं का आयोजन करवाना चाहिए। इसके जिले के वरिष्ठ अधिकारियों को विद्यालय में विशेष सत्र हेतु आमंत्रित किया जाना चाहिए।प्रमुख सचिव ने बोर्ड परीक्षाओं में शत प्रतिशत परिणाम देने वाले प्राचार्यों व शिक्षकों को बधाई दी। जनजातीय कार्य विभाग की उप सचिव सुश्री मीनाक्षी सिंह ने भी कार्यशाला को संबोधित किया और कहा कि अच्छे परिणाम

लाने वाले प्राचार्यों से अनुभव साझा कर अन्य प्राचार्य सीखें। जनजातीय विद्यार्थियों को 12वीं कक्षा के बाद केरियर गाइडेंस की बहुत आवश्यकता होती है। इसके लिए एलुमनी मीट का आयोजन करें और पूर्व विद्यार्थियों के अनुभव विद्यार्थियों से साझा करवाएं। इन जिलों से आए प्रतिभागी- कार्यशाला में सीहोर, श्योपुर, गुना, अलीराजपुर, बड़वानी, धार, इंदौर, झाबुआ, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बालाघाट, छिन्दवाड़ा, जबलपुर, मंडला, सिवनी, डिंडोरी, बैतूल, हरदा, नर्मदापुरम, सतना, सीधी, सिंगरौली, अनूपपुर, शहडोल और उमरिया जिलों के प्राचार्य व शिक्षक शामिल हुए। इस अवसर पर जनजातीय कार्य विभाग की अपर संचालक सीमा सोनी और सहायक संचालक अनूप हिरवे भी उपस्थित रहे।

जल स्रोतों के जल संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए एकजुट होना होगा: मंत्री पटेल



चलाये जा रहे जल-गंगा संवर्धन अभियान के दूसरे दिन ग्राम पंचायत बाबरिया में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

मंत्री श्री पटेल ने सींगरी नदी के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आप सींगरी नदी के भविष्य को देखें। पहले सींगरी नदी का स्वरूप कैसा था और आज सींगरी नदी की हालत क्या है।हम सींगरी को

संरक्षित करके रखते तो आज वह बारहमासी होती। पांच नदियां करेली के पहले मिलती हैं, पर एक बूंद पानी भी नर्मदा नदी के भीतर नहीं जाता। इससे ज्यादा कोई दूसरा प्रमाण नहीं हो सकता। हम दिन- रात जिस तरीके से प्रकृति का दोहन कर रहे हैं, यह हम सबके लिए खतरनाक है। यदि हम अच्छा काम करेंगे, तो उसका लाभ हमारे बच्चों को मिलेगा। हम क्या करना चाहते हैं यह हमें

तय करना पड़ेगा। सींगरी के कारण नरसिंहपुर समृद्ध हुआ। सींगरी नदी से 12 से 13 पंचायत के लोग पानी सिंचाई तो करते हैं, लेकिन सींगरी को देना नहीं चाहते। उन्होंने यहाँ मौजूद किसानों से कहा कि हमें भू-जल स्तर को बनाये रखना होगा। पानी के बगैर जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। अधिक लालच भावी पीढ़ी का भविष्य नष्ट कर देगा। सींगरी नदी के स्रोत को बचाने के लिए कोशिश की गई थी। सींगरी नदी में पानी बहता रहे, इससे ज्यादा आनंद की अनुभूति और क्या होगी।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जल स्रोतों के पास कौन से पौधे लगाये जायें, जो जल के स्रोत को प्रवाहमान बनाये रख सकें इसके लिए हमें उन पौधों की जानकारी भी हो। ऐसी सूची बनाकर लोगों तक पहुँचाएँ, जिससे लोगों को पता चल सके। बरसात के पानी का संरक्षण वर्तमान समय की आवश्यकता है। यह भू-जल स्तर वृद्धि में सहायक सिद्ध होगा।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली हार के बाद संगठन पर एक्शन शुरू, हटाए गए पदाधिकारी

भोपाल/नवप्रदेश। लोकसभा चुनाव 2024 में एमपी कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा है। इसके बाद से अनुमान लगाया जा रहा था कि कांग्रेस अपने संगठन में परिवर्तन करेगा। इसी बीच गुरुवार को मध्य प्रदेश यूथ कांग्रेस ने अपनी जिला इकाइयों के अंतर्गत विधानसभा अध्यक्ष व पदाधिकारियों को हटाने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

एमपी यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह ने जारी किए आदेश में लिखा है कि भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव (प्रभारी मध्यप्रदेश) शेषनारायण ओझा की स्वीकृति से तथा मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह यादव के आदेशानुसार मध्यप्रदेश के समस्त जिला इकाइयों के अन्तर्गत के विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष एवं उनके विधानसभा इकाइयों के पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से भंग किया जाता है। साथ ही अभी तक उनके द्वारा दिए गए लिए नई तकनीक पूरे प्रदेश में लागू हो जाएगी। इससे अवैध खनन रोकने के साथ ही सरकार के राजस्व की चोरी पर भी लगाम लगेगी। इसमें सॉफ्टवेयर स्वीकृत खनन की अनुमति से अधिक खनन या अवैध भंडारण या परिवहन होने पर उसका विश्लेषण कर 95 से 99 प्रतिशत तक सटीक जानकारी देगा।

गौरतलब है कि कुछ समय पहले ही विका्रत भूरिया की जगह की जगह मितेंद्र सिंह के यूथ कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया है। मितेंद्र सिंह अध्यक्ष बनने के बाद से संगठन में बदलाव की

सुगबगुहाट तेज हो गई थी। उन्होंने पिछले सभी पदाधिकारी को राजधानी भोपाल बुलाया था और एक-एक कर सभी से दो दिन तक चर्चा की थी, जिसके बाद अब कार्रवाई शुरू हो गई है। कांग्रेस के पूरे संगठन में लोकसभा में मिली करारी हार के बाद संगठन में बदलाव की बयार शुरू हो गई है। यूथ कांग्रेस जल्द ही संगठन में बदलाव कर नई कार्यकारिणी का गठन करेगी। मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव के बाद युवा कांग्रेस संगठन में कई बड़े बदलाव की तैयारी में हैं। मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष विवेक त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव (प्रभारी मध्यप्रदेश) शेषनारायण ओझा की स्वीकृति व मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह यादव के आदेशानुसार मध्यप्रदेश के समस्त जिला इकाइयों के अन्तर्गत के विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष एवं उनकी विधानसभा पदाधिकारियों द्वारा अभी तक जो संगठनात्मक सहयोग दिया, उसके लिए सभी पदाधिकारियों के कार्यों की सरहना करती है।

अंतर्कलह में फंसी है कांग्रेस, इसलिए ऐसी दुर्दशा-तोमर

कांग्रेस विधायक अजय सिंह के बयान पर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि कांग्रेस अपने अंतर्कलह में फंसी है। इसलिए कांग्रेस की ऐसी दुर्दशा हो रही है। कांग्रेस को अपने व्यक्तिगत मुद्दों की चिंता है और प्रदेश की जनता के मुद्दों की चिंता नहीं है। इसी वजह से जो लोग काम करने वाले हैं, स्वाभिमानी हैं, वे कांग्रेस छोड़कर जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस धीरे-धीरे क्षीण हो रही है और एमपी में इसी कारण साफ हो गई है।

बीजेपी मीडिया प्रभारी ने किया